शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 46 | गुवाहाटी | बुधवार, 16 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ईडी का दायरा बढ़ेगा, स्वीकृत पदों में 60 प्रतिशत वृद्धि पेज 2

विकास और जनविश्वास के दम पर नगांव उपचुनाव जीतने को भाजपा... पेज 3

गुलजार सिंह आत्महत्या मामले में चीमा के इस्तीफे की मांग, कांग्रेस ने चंडीगढ़ ... पेज 5

87 साल पुराना रिकार्ड कैसे टूटा : लोनाल्डो की टीम ने रचा इतिहास, लगातार 94... पेज 7

अगर भाजपा नगांव जीतती है, तो 2031 में असम की सभी 126 सीटें जीत लेगी पार्टी : सीएम

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को एक बड़ा दावा किया कि अगर भाजपा 6 अक्तूबर को होने वाले नगांव लोकसभा उपचुनाव में जीत हासिल करती है, तो वह 2031 के विधानसभा चुनावों में राज्य की सभी 126 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल कर सकती है। एक प्रेस कांफ्रेंस में बोलते हुए, भाजपा नेता शर्मा ने कहा कि नगांव पारंपरिक रूप से भाजपा का गढ़ नहीं रहा है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि पिछले महीने में पार्टी के पक्ष में *स्पष्ट बदलाव* देखने को मिला है। नगांव लोकसभा क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र हैं। शर्मा ने बताया कि भाजपा ने 2026 के विधानसभा चुनावों में इनमें से चार क्षेत्रों – मोरीगांव, रोहा, जागीरोड और नगांव-बटद्रवा – में लगभग 50,000 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। विपक्ष ने शेष चार क्षेत्रों – रूपोहीहाट, लाहोरीघाट, ढिंग और सामागुड़ी – में 1.5 लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी। उन्होंने कहा कि हमें उपचुनाव के नतीजों का इंतजार करना चाहिए... अगर भाजपा इस लोकसभा सीट को जीतने में कामयाब हो जाती है, तो पार्टी 2031 के चुनावों में सभी 126 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल कर लेगी। शर्मा ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में राजनीतिक माहौल भाजपा की ओर बदल रहा है और दावा किया कि पार्टी की स्थिति दिन-प्रतिदिन बेहतर हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव की घोषणा होने से पहले ही, कई लोग उन निर्वाचन क्षेत्रों में भी भाजपा में शामिल हो गए जहां हमारे विधायक नहीं हैं। विपक्ष की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका ध्यान व्यक्तिगत विपक्षी नेताओं के बजाय भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन पर है। मुझे एआईयूडीएफ के बदरुद्दीन अजमल या कांग्रेस के गौरव गोगोई में कोई दिलचस्पी नहीं है, बल्कि सिर्फ भाजपा-अगप-बीपीएफ गठबंधन में दिलचस्पी है। हम अच्छा काम करते रहेंगे और जनता हमारे पक्ष में रहेगी। हालांकि, असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने आगामी नगांव लोकसभा उपचुनाव में पार्टी की जीत का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस एक मजबूत अभियान चलाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए गोगोई ने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि हम एक ठोस अभियान चलाएंगे और आगामी नगांव उपचुनाव में हमें जीत का पूरा भरोसा है। उन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कि एआईयूडीएफ उपचुनाव में अपने अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल को मैदान में उतार सकती है, गोगोई ने कहा कि यह कदम निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस द्वारा अपने उम्मीदवार की घोषणा के बाद भाजपा घबरा गई है और आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का समर्थन करने के लिए अजमल को चुनाव में उतारा जा रहा है। भाजपा ने उपचुनाव में पूर्व आईएएस अधिकारी देबाशीष -शेष पृष्ठ दो पर

यूपीआई से पेमेंट करना पड़ेगा महंगा, 2000 रुपए से ऊपर के ट्रांजैक्शन पर लगेगा 5 रुपए चार्ज

नई दिल्ली। ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के नियमों में बड़ा बदलाव किया गया है। 2,000 रुपए से ज्यादा के कुछ ट्रांजेक्शन पर 5 रुपए चार्ज लगेगा, लेकिन ग्राहकों के लिए यह मुफ्त रहेगा। यूपीआई स्टीयरिंग कमिटी की बैठक आज मंगलवार, 15 सितंबर को हुई। इस बैठक में 2,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगाने की बात तय हुई। देश की पेमेंट संस्था ने जानकारी दी है कि 2,000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर कुछ चार्ज लगेगा। यूपीआई मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) का यह नया नियम 15 अक्तूबर से लागू होगा। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने यह बात भी साफ तौर पर कही है कि ये चार्ज मर्चेंट (व्यापारियों) से लिए -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार ने शुल्क लगाने का रास्ता खोल दिया : राहुल

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार के दो हजार रुपए तक के यूपीआई के जरिए भुगतान को नि:शुल्क बनाए रखने की अधिसूचना के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने चुपचाप दो हजार से अधिक के -शेष पृष्ठ दो पर

असम : दुष्कर्म व हत्या के मामले में दोषी को मौत की सजा

गुवाहाटी। असम के धुबड़ी जिले की एक पॉक्सो अदालत ने 2023 में चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले को *दुर्लभतम* श्रेणी का बताया और दोषी को मौत की सजा सुनाई। मामले के अभियोजक ने बताया कि बिलासीपाड़ा की अतिरिक्त एवं जिला अदालत के विशेष न्यायाधीश राणा दत्ता ने सोमवार को दोषी उत्पल राय को भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों -शेष पृष्ठ दो पर

असम का रेल नेटवर्क पूरी तरह से विद्युतीकृत होना एक बड़ी उपलब्धि : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि असम में रेल नेटवर्क पूरी तरह से विद्युतीकृत हो गया है, जिसमें लमडिंग-बदरपुर हिल खंड के अंतिम चरण का विद्युतीकरण भी शामिल है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस उपलब्धि को राज्य के लिए एक *बड़ा मील का पत्थर* बताया, जहां 2014 से पहले, जब भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए केंद्र में सत्ता में आया था, तब तक सभी ट्रैक ब्रॉड गेज के भी नहीं थे। असम का रेल नेटवर्क अब 100 प्रतिशत विद्युतीकृत हो चुका है। चुनौतीपूर्ण 169 किलोमीटर लंबे लमडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड के विद्युतीकरण के साथ, राज्य ने रेलवे विद्युतीकरण का अपना सफर पूरा कर लिया है, वैष्णव ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा। इस उपलब्धि की सराहना करते हुए, शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह *असम के लिए एक बड़ा मील का पत्थर* है। उन्होंने कहा कि रेलवे नेटवर्क का पूर्ण विद्युतीकरण राज्य में पर्यावरण -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

आलसी राजा अप्राप्त लाभ को प्राप्त नहीं करता।

– **आचार्य चाणक्य**

एचआईवी के अनुमानित मामलों में कामरूप (मेट्रो) सबसे आगे

गुवाहाटी। असम स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी (एएसएसीएस) से मिले आंकड़ों के अनुसार, असम में अभी अनुमानित 33,000 लोग एचआईवी के साथ जी रहे हैं। असम में अनुमानित 33,000 मामलों में से लगभग 29,000 लोग अभी इलाज करवा रहे हैं। हालांकि कामरूप (मेट्रो) में सबसे ज्यादा मामले हैं, लेकिन नगांव और धुबड़ी जैसे जिले भी इसके ठीक पीछे हैं। प्रभावित लोगों में सबसे बड़ा हिस्सा (65 प्रतिशत) नसों के जरिए ड्रग्स लेने वालों का है, और ज्यादातर संक्रमण साझा सुइयों के इस्तेमाल से फैल रहा है। बाकी मामले मुख्य रूप से सेक्स वर्कर्स, समलैंगिक पुरुषों और ट्रांसजेंडर लोगों में पाए जाते हैं। संक्रमण के फैलाव पर नजर रखने और उसे रोकने के लिए, एएसएसीएस राज्य भर के 103 केंद्रों पर नियमित टेस्टिंग करता है।

अमित शाह की मौजूदगी में किशाऊ डेम पर छह राज्यों में समझौता, मुख्यमंत्रियों ने साइन किया एमओए

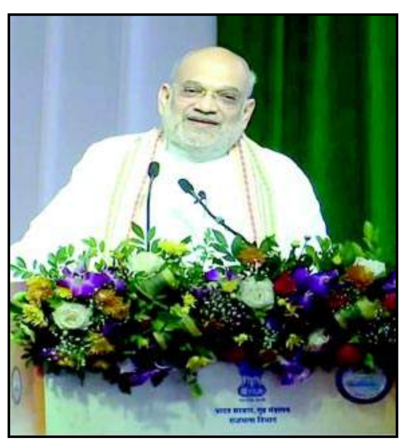

नई दिल्ली। ऊपरी यमुना बेसिन में राज्यों के बीच सहयोग और जल संसाधनों के विकास की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में किशाऊ मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए समझौते के ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। इन छह राज्यों और केंद्र के बीच लगभग 28 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। रेणुका जी और लखवार मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट्स से जुड़े दो समझौते पहले ही हो चुके हैं और इन प्रोजेक्ट्स का निर्माण कार्य चल रहा है। किशाऊ मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट पर हुआ समझौता, निर्माण के लिए छह राज्यों के बीच किया गया तीसरा समझौता है। लगभग एक घंटे तक चली इस बैठक में जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग के सचिव और शामिल राज्यों के मुख्य सचिव भी मौजूद थे। अधिकारियों ने कहा कि इस ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करना लंबे समय से अटके हुए *किशाऊ मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट* को पूरा करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह समझौता सहकारी संघवाद की भावना और यमुना बेसिन के जल संसाधनों के टिकाऊ विकास और बेहतर इस्तेमाल के लिए केंद्र और बेसिन राज्यों की सामूहिक प्रतिबद्धता को भी दिखाता है। किशाऊ मल्टीपर्पस प्रोजेक्ट उत्तराखंड के -शेष पृष्ठ दो पर

असम की आयरन लेडी बनीं सीआरपीएफ की खास कोबरा यूनिट की आईजी

गुवाहाटी। असम की आयरन लेडी के नाम से मशहूर संजुक्ता पराशर ने सीआरपीएफ की खास कोबरा यूनिट के इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) का कार्यभार संभाल लिया है। 2006 बैच की आईपीएस अधिकारी संजुक्ता पाराशर खतरनाक मानी जाने वाली कोबरा फोर्स की कमान संभालने वाली पहली महिला अधिकारी हैं। असम में उग्रवाद के खिलाफ अभियान चलाने वाली आईपीएस संजुक्ता की नियुक्ति पिछले महीने हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, सीआरपीएफ की इंस्पेक्टर जनरल बनी संजुक्ता पराशर को फील्ड पोस्टिंग का लंबा अनुभव है। अब वह कोबरा कमांडो की बटालियन का नेतृत्व करेंगी। कोबरा कमांडो गुरिल्ला और जंगलों में जंग के लिए जाने जाते हैं। कई राज्यों में कोबरा कमांडो ने -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

नगांव उपचुनाव में टिकट को लेकर कांग्रेस में तेज हुआ अंतर्कलह

गुवाहाटी (हि.स.)। नगांव लोकसभा उपचुनाव में शिवामणि बोरा को कांग्रेस का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। उम्मीदवार के चयन के विरोध में मोरीगांव जिला कांग्रेस के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से पार्टी से इस्तीफा दे दिया। मोरीगांव जिला कांग्रेस के -शेष पृष्ठ दो पर

औपनिवेशिक मानसिकता छोड़ें डीसी : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने जिला आयुक्तों (डीसी) को निर्देश दिया है कि वे औपनिवेशिक प्रशासनिक मानसिकता छोड़कर जन सेवा में अनुशासन एवं कार्यकुशलता लाएं। जिला आयुक्तों के दो दिवसीय सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए सीएम ने कहा कि प्रौद्योगिकी और कत्रिम मेधा (एआई) रोजमर्रा के कामकाज का अहम हिस्सा बन गई है, इसलिए अधिकारियों को प्रशासनिक कामकाज में निजी क्षेत्र जैसा पेशेवर अंदाज लाना चाहिए। यह सम्मेलन सोमवार को संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में बताया कि सम्मेलन में मंत्रियों, उपायुक्तों और 15 विभागों के वरिष्ठ अफसरों के साथ गहन विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री के अनुसार, इस दौरान संदेश साफ था, जिला आयुक्तों को औपनिवेशिक प्रशासनिक मानसिकता से बाहर निकलकर जन सेवा में निजी क्षेत्र जैसा अनुशासन, कार्यकुशलता और पेशेवर अंदाज लाना होगा। उन्होंने निर्देश दिया कि जिला आयुक्त विभागों के साथ बैठक करें, ताकि यह तय किया जा सके कि हर निर्देश बिना किसी देरी के क्षेत्र स्तर के अधिकारियों तक पहुंचे और उस पर अमल हो।

भीषण अग्निकांड में एक ही परिवार के चार लोग जिंदा जले

बेलगावी (हि.स.)। गणेश उत्सव की खुशियों के बीच कर्नाटक के बेलगावी शहर में देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। मार्केट थाना क्षेत्र की चाव्हाट गली में एक घर में भीषण आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं। जानकारी के मुताबिक, हादसे के वक्त परिवार के सभी सदस्य घर में सो रहे थे। इसी दौरान बिजली के शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। देखते ही -शेष पृष्ठ दो पर

असम में एक सींग वाले 3,260 गैंडे हैं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि असम में 3,260 एक सींग वाले गैंडे हैं, जो दुनिया भर में इनकी कुल आबादी का लगभग 80 प्रतिशत है। शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य में अवैध शिकार की कोई घटना न होने (2025 में) के कारण, ताजा सर्वे में गैंडों की आबादी 3,260 पाई गई है, जो एक शानदार आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में लगभग 4,075 एक सींग वाले गैंडे हैं। उन्होंने कहा कि एक दिलचस्प बात यह है कि दुनिया के लगभग 80 प्रतिशत एक सींग वाले गैंडे असम में पाए जाते हैं। हमारा राज्य इस प्रजाति के लिए, जो कभी विलुप्त होने की कगार पर थी, एक बहुत सुरक्षित जगह है। हम इनकी सुरक्षा और -शेष पृष्ठ दो पर

मसूद अजहर पर इनाम की राशि बढ़ाना पाकिस्तान की खोखली कवायद : भारत

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर पर इनाम की राशि बढ़ाने के पाकिस्तान के फैसले को खोखली कवायद बताया है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान को केवल घोषणाएं करने के बजाय आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में एक सवाल के जवाब में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ वास्तविक और प्रभावी कदम उठाना जरूरी है। पाकिस्तान ने अपनी संघीय जांच एजेंसी की रेड बुक में मसूद अजहर पर इनाम 50 लाख पाकिस्तानी रुपए से बढ़ाकर 70 लाख रुपए किया है। यह इनाम साल 2021 में 50 लाख रुपए था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देश द्वारा इस तरह की झूठी घोषणाएं करना-हम सभी जानते हैं -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में हिंसा 77 प्रतिशत घटी, 2025 में 1,066 उग्रवादी गिरफ्तार : रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर राज्यों में सीमा सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। इस बीच रक्षा मंत्रालय रक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 में पूर्वोत्तर क्षेत्र यानी नॉर्थ ईस्ट रीजन (एनईआर) की आंतरिक सुरक्षा स्थिति को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में पूर्वोत्तर में हिंसा से जुड़े आंकड़ों में 77 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय सेना, असम राइफल्स और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से क्षेत्र में सुरक्षा और विकास के लिए अनुकूल माहौल तैयार हुआ है। सुरक्षा बलों ने चीन और म्यांमार की सीमाओं पर आतंकवाद विरोधी अभियानों, सीमावर्ती बुनियादी ढांचे के विकास और रसद संबंधी तैयारियों को तेज कर दिया है जिससे क्षेत्र में बदलाव आ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने पूर्वोत्तर में काउंटर-इंसर्जेंसी और काउंटर-टेरर ऑपरेशंस के जरिए उग्रवादी संगठनों की गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई की। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षाबलों ने 2025 में 33 उग्रवादियों को -शेष पृष्ठ दो पर

मिशन 2029 : संगठन को मजबूत करने की कवायद

अब दिल्ली छोड़ राज्यों में डेरा जमाएंगे कांग्रेस के बड़े नेता

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी संगठनात्मक सुधारों को लेकर तेजी से काम कर रही है। पार्टी ने अपने जनरल सेक्रेटरी और इन-चार्ज को निर्देश दिए हैं कि वे अपने साथ लगाए गए सेक्रेटरी को राज्यों में कम से कम 15 से 20 दिन हर महीने बिताने को कहें। अब ये सेक्रेटरी सिर्फ कभी-कभार आने वाले विजिटर नहीं रहेंगे, बल्कि नियमित रूप से संगठन की निगरानी करेंगे और केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करेंगे। सूत्रों के अनुसार, यह निर्देश मौजूदा सेक्रेटरी और नए नियुक्त होने वाले दोनों पर लागू होगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

ईडी का दायरा बढ़ेगा, स्वीकृत पदों में 60 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा है कि केंद्र सरकार ने विभाग के लंबे समय से लंबित कैडर पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत उसके स्वीकृत पदों में 60 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस पुनर्गठन के बाद ईडी की स्वीकृत पद संख्या 2,029 से बढ़कर 3,256 हो जाएगी। ईडी ने बेंगलुरु स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में 14 और 15 सितंबर को आयोजित 36वें त्रैमासिक क्षेत्रीय अधिकारियों के सम्मेलन (क्यूसीजेडओ) के बाद जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। सम्मेलन की अध्यक्षता ईडी के निदेशक ने की, जिसमें मुख्यालय और विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। ईडी के अनुसार, कैडर पुनर्गठन के तहत ईडी के प्रवर्तन निदेशालय के ढांचे का विस्तार किया जाएगा। इसके तहत धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) से जुड़े 50 जोन और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के लिए दिल्ली, चंडीगढ़, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पांच समर्पित जोन बनाए जाएंगे। निदेशालय की कार्य इकाइयों की संख्या 131 से बढ़ाकर 241 की जाएगी। इस व्यवस्था को 01 जनवरी 2027 से लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। सम्मेलन में ईडी निदेशक ने अधिकारियों को आर्थिक अपराधों, बैंक धोखाधड़ी, बिल्डर-खरीदार धोखाधड़ी, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) से जुड़े मामलों और साइबर अपराधों की जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण और मुकदमों में दोषसिद्धि बढ़ाने पर जोर दिया। सम्मेलन में यह भी तय किया गया कि प्रत्येक क्षेत्र कम-से-कम दस महत्वपूर्ण मामलों की पहचान कर उनके मुकदमों को छह से आठ महीने के भीतर अंतिम चरण तक पहुंचाने का प्रयास करेगा। साथ ही अपराध से अर्जित संपत्तियों को वास्तविक पीड़ितों को लौटाने की प्रक्रिया को भी प्राथमिकता दी जाएगी। ईडी ने बताया कि अब तक 76 मामलों में 73,800 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियां पीड़ितों को लौटाने की प्रक्रिया के तहत चिह्नित या हस्तांतरित की जा चुकी हैं। सम्मेलन में तकनीक, साइबर फॉरेंसिक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े अपराधों की जांच क्षमता बढ़ाने पर भी चर्चा की गई।

अरुणाचल में सीबीआई की कार्रवाई पर्यावरण कार्यकर्ता भानु तातक पर केस दर्ज

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अरुणाचल प्रदेश की पर्यावरण कार्यकर्ता और वकील भानु तातक के खिलाफ विदेशी फंड प्राप्त करने के मामले में केस दर्ज किया है। एजेंसी का आरोप है कि तातक ने बिना जरूरी पंजीकरण या पूर्व अनुमति के करीब 20.94 लाख रुपए का विदेशी योगदान हासिल किया। सीबीआई के मुताबिक, इस रकम का इस्तेमाल राज्य में दो जलविद्युत परियोजनाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को आयोजित करने और उन्हें जारी रखने के लिए किया गया। मामले में भानु तातक की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी है। सीबीआई की आर्थिक अपराध शाखा-2 ने दिल्ली में 20 अगस्त को एफआईआर दर्ज की थी। इसमें तातक और कुछ अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर में विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 यानी एफसीआरए की धारा 11(1), 17, 19 और 35 के तहत मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के अनुसार, भानु तातक का स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रोइंग शाखा में बचत खाता है। आरोप है कि वर्ष 2022 से 2025 के बीच इस खाते में विदेशी मुद्रा लेनदेन के जरिए कुल 20,94,088 रुपए प्राप्त हुए। सीबीआई का कहना है कि इन रकमों को हासिल करने के लिए गृह मंत्रालय से आवश्यक पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी। सीबीआई की प्रारंभिक जांच में आरोप लगाया गया कि तातक सियांग स्वदेशी किसान मंच (एसआईएफएफ) की कानूनी सलाहकार और दिबांग प्रतिरोध (डीआर) की समन्वयक थीं। जांच के अनुसार, उन्होंने एफसीआरए के तहत अनिवार्य पंजीकरण कराए बिना अपने निजी बचत खाते में विदेशी योगदान प्राप्त किया। जांच में दावा किया गया कि इन पैसों का इस्तेमाल अरुणाचल प्रदेश में सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना (एसयूएमपी) और दिबांग बहुउद्देशीय जलविद्युत परियोजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को आयोजित करने और उन्हें जारी रखने में किया गया। जांच एजेंसी के दस्तावेज के मुताबिक, विदेशी संस्थाओं से मिली रकम के उद्देश्य का खुलासा नहीं किया गया था।

राजीव भवन में मनाया गया महिला कांग्रेस का 42वां स्थापना दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस का 42वां स्थापना दिवस समारोह मंगलवार को गुवाहाटी स्थित असम प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर असम के विभिन्न जिलों में भी स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किए गए और कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने इसमें भाग लिया। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य की सभी महिलाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पार्टी और सार्वजनिक जीवन में महिलाओं के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में पूर्व सांसद अब्दुल खालिक, विधायक बेबी बेगम, मीडिया अध्यक्ष बेदब्रत बोरा, वरिष्ठ नेता बालिका लाहन पेगु, मोइनाजान बेगम तथा जिला परिषद सदस्य मुनियारा बेगम समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं महिला नेत्रियां मौजूद रहीं।

विजयवाड़ा बस स्टैंड पर लावारिस बैग से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

विजयवाड़ा। विजयवाड़ा के पंडित नेहरू बस स्टैंड पर एक संदिग्ध बैग मिलने से यात्रियों में हड़कंप मच गया, क्योंकि पुलिस को उसमें से जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर मिले। बस स्टैंड पर लावारिस बैग देखकर यात्रियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद कृष्णा लंका पुलिस मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। इसके बाद इलाके को सील किया गया है यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। बैग की तलाशी के दौरान पुलिस को जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर समेत विस्फोटक सामग्री मिली।

मरम्मत के बाद पुराना सराईघाट पुल यातायात के लिए खुला

गुवाहाटी (हिंस)। ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित पुराने रेल-सह-सड़क सराईघाट पुल को मंगलवार दोपहर 12-30 बजे वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया। आवश्यक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य के कारण पुल को 13 जुलाई से बंद रखा गया था। पुल के दोबारा खुलने से गुवाहाटी और उत्तर गुवाहाटी के बीच आवागमन करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने पुल पर आवश्यक संरचनात्मक मरम्मत का कार्य पूरा करने के बाद इसे यातायात के लिए बहाल किया। पुराने पुल के बंद रहने के दौरान वाहनों को नए सराईघाट पुल से होकर गुजरना पड़ रहा था। इससे नए पुल पर यातायात का दबाव बढ़ गया था और कई बार भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हुई। पुराने सराईघाट पुल के खुलने के बाद अब वाहनों का आवागमन दोनों पुलों से होगा। इससे यातायात का दबाव विभाजित होने और गुवाहाटी में जाम की समस्या कम होने की उम्मीद है। पुल की बहाली से ब्रह्मपुत्र के दोनों किनारों के बीच संपर्क और आवागमन भी सुगम होगा।

सामागुड़ी में जंगली हाथियों का आतंक कई गरीब परिवारों के घर क्षतिग्रस्त

नगांव (हिंस)। असम के सामागुड़ी के गेंधाली आदर्श गांव में जंगली हाथियों के लगातार उत्पात से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। मंगलवार तड़के जंगली हाथियों का एक झुंड गांव में घुस आया और कई गरीब परिवारों के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथियों ने घरों में रखे जरूरी सामान को भी नष्ट कर दिया। जानकारी के अनुसार, हाथियों ने गांव के निवासी जगुराम दास के घर पर हमला किया। इसके अलावा कई अन्य गरीब परिवारों के घरों को भी नुकसान पहुंचाया। बताया गया कि जब परिवार के सदस्य घरों में सो रहे थे, उसी दौरान हाथियों ने हमला किया। हाथियों के अचानक घरों में घुसने से परिवारों के सदस्यों में अफरा-तफरी मच गई और उन्होंने किसी तरह अपनी जान बचाई। पीड़ित परिवारों का आरोप है कि जंगली हाथी इससे पहले भी कई बार उनके घरों पर हमला कर भारी नुकसान पहुंचा चुके हैं। इसके बावजूद अब तक सरकार की ओर से उन्हें किसी प्रकार का मुआवजा नहीं मिला है। वहीं, क्षेत्र में हाथियों का उत्पात लगातार जारी रहने के कारण सामागुड़ी के बड़े इलाके के ग्रामीणों को रात जागकर गुजारनी पड़ रही है। वन विभाग की ओर से हाथियों को खदेड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि हाथियों के उत्पात पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से तत्काल प्रभावी कदम उठाने तथा प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

नगांव उपचुनाव में कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएंगे रकीबुल : भूपेन बोरा

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा विधायक भूपेन बोरा ने नगांव लोकसभा उपचुनाव को लेकर कांग्रेस के भीतर चल रही कथित खींचतान पर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई को अपमानित करने के लिए रकीबुल हुसैन उपचुनाव में कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। भूपेन बोरा ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद यदि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व रकीबुल हुसैन के *पंख भी काट* दे, तब भी वह चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ काम करने के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के भीतर नेतृत्व और उम्मीदवार को लेकर जारी मतभेदों का असर नगांव उपचुनाव पर पड़ सकता है। भाजपा विधायक ने कहा कि रकीबुल हुसैन द्वारा कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने की कोशिश पार्टी के लिए चुनौती बन सकती है। उन्होंने दावा किया कि गौरव गोगोई को लेकर कांग्रेस के अंदर चल रही राजनीतिक खींचतान आने वाले उपचुनाव में खुलकर सामने आ सकती है।

गुवाहाटी में मनाया गया 59वां इंजीनियर दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर मंगलवार को पानबाजार स्थित द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), असम राज्य केंद्र के तत्वावधान में 59वां इंजीनियर दिवस दिनभर के कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे संस्था परिसर में स्थापित सर विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। दोपहर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के असम राज्य केंद्र के अध्यक्ष भबेन कलिता ने की। संस्था के मानद सचिव गोकुल भुइयां ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर संस्था के मानद फेलो एवं पूर्व सचिव अभियंता पुलक शर्मा ने सर विश्वेश्वरैया के जीवन और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उत्तर लखीमपुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मुकुल बोरा मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए और इस वर्ष के केंद्रीय विषय *सतत और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर भारत के लिए इंजीनियरिंग उत्कृष्टता* पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में अभियंता डॉ. प्लावन बोरा ने मुख्य वक्ता का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए चार विशिष्ट अभियंताओं-दिलीप शर्मा (सिविल इंजीनियरिंग), मनोजीत मिश्रा (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग), अनिर्बान दास (केमिकल इंजीनियरिंग) और डॉ. शारद बहुराय गोखले (पर्यावरण इंजीनियरिंग)-को सम्मानित किया गया। संस्था के मानद फेलो एवं पूर्व अध्यक्ष अभियंता महेश बरकटकी के संचालन में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान अभियंताओं को सम्मान प्रदान किया गया। इस मौके पर असम राज्य केंद्र की त्रैमासिक पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

दिल्ली में दस हजार छात्रों के लिए बनेंगे हॉस्टल : सीएम

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार ने 10,000 छात्रों के लिए हॉस्टल बनाने का फैसला किया है, ताकि उनकी सुरक्षा और किफायती रहने की जगह मिल सके। ये हॉस्टल लड़के और लड़कियों, दोनों तरह के छात्रों के लिए होंगे। दिल्ली की किसी भी यूनिवर्सिटी या कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र इन सुविधाओं का फायदा उठा सकेंगे। हमने हॉस्टल बनाने में सक्षम संबंधित विभागों के साथ बैठकें की हैं, सही जगहें चुनी हैं और एक पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार करना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने छात्रों की जरूरतों और इन हॉस्टलों में जरूरी सुविधाओं पर अच्छी तरह से विचार किया है। मैं आपको भरोसा दिलाती हूं कि हम ऐसे हॉस्टल बनाएंगे जहां देश भर के माता-पिता पूरी निश्चिंतता के साथ अपने बच्चों को भेज सकें, और जहां छात्र-खाने-पीने या रहने की चिंता से मुक्त होकर-पूरी तरह से अपने सपनों को पूरा करने पर ध्यान दे सकें। सत्य निकेतन में इमारत गिरने से सात लोगों की मौत के बाद, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार इमारतों की जांच बढ़ाएगी, सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करेगी और पूरी राजधानी में पेइंग गेस्ट (पीजी) आवासों से जुड़े नियमों की समीक्षा करेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि उन्होंने दिल्ली में इमारत की सुरक्षा, छात्रों के रहने की व्यवस्था और पीजी नियमों पर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू की अध्यक्षता में हुई एक संयुक्त समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि बैठक में सख्त सुरक्षा जांच, जिम्मेदारी तय करने और सरकारी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री गुप्ता ने घोषणा की कि शहरी विकास मंत्री आशीष सूद की अध्यक्षता वाली एक समिति मौजूदा पीजी नियमों की समीक्षा करेगी। यह समिति विश्वविद्यालयों, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के माध्यम से छात्रों के लिए आवास की सुविधा बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार करेगी।

पृष्ठ एक का शेष

अगर भाजपा नगांव ...

शर्मा को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने पूर्व विधायक सिबामोनी बोरा को नामांकित किया है। एआईयूडीएफ के तीन बार के सांसद बदरुद्दीन अजमल भी इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। नगांव लोकसभा उपचुनाव के लिए मतदान 6 अक्टूबर को होगा, जबकि मतगणना 9 अप्रैल को निर्धारित है। यह सीट कांग्रेस नेता प्रद्युत बरदलै के बाद खाली हुई थी, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों में नगांव सीट जीती थी। बरदलै भाजपा में शामिल हो गए और इस साल के राज्य चुनावों में दिसपुर विधानसभा सीट से जीत हासिल की।

यूपीआई से पेमेंट करना ...

जाएंगे और ग्राहकों के लिए यूपीआई सर्विस मुफ्त बनी रहेगी। केंद्र सरकार के नोटिफिकेशन में कहा गया है कि बैंक 2,000 रुपए तक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ट्रांजैक्शन या रुपे-पावर्ड डेबिट कार्ड से किए गए पेमेंट पर कोई चार्ज नहीं लगा सकते। एनपीसीआई को हर ट्रांजैक्शन पर स्विचिंग फीस के तौर पर लगभग 0.02 बीपीएस की फिक्स्ड फीस मिलती है। फोनपे, गूगल पे और पेटीएम जैसे यूपीआई एप्स यूपीआई नेटवर्क से जुड़ने के लिए बैंकों के साथ पार्टनरशिप करते हैं और इन पार्टनर्स को पीएसपी बैंक कहा जाता है। यूपीआई इकोसिस्टम में येस बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई बैंक सबसे बड़े पीएसपी बैंक हैं। यूपीआई की सफलता सुनिश्चित करने में पीएसपी बैंकों की बहुत बड़ी भूमिका होती है, इसलिए, कार्ड इकोसिस्टम के उलट, उन्हें एमडीआर का बड़ा हिस्सा मिलने की संभावना होती है। एमडीआर वह कमीशन है जो मर्चेंट डिजिटल पेमेंट प्रोसेस करने के लिए बैंकों को देते हैं। एमडीआर से होने वाली कमाई इकोसिस्टम के पार्टनर्स के बीच बांटी जाती है। इनमें अकाउंट जारी करने वाले बैंक, बेनिफिशियरी बैंक, कंज्यूमर-साइड पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर (पीएसपी) बैंक, मर्चेंट एक्वायरिंग पेमेंट एग्रीगेटर और एनपीसीआई।

सरकार ने शुल्क ...

यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने का रास्ता खोल दिया है। उन्होंने कहा कि भले ही ऐसे लेनदेन कुल संख्या का करीब पांच फीसदी हैं, लेकिन इनका कुल लेनदेन मूल्य में हिस्सा करीब 65 फीसदी है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक्स पोस्ट में कहा कि यूपीआई भुगतान पर सरकार ने कहा कि ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। यदि दुकानदारों पर शुल्क लगाया जाता है तो उसका बोझ अंततः कहां जाएगा। यह लागत वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में शामिल होकर ग्राहकों की जेब पर पड़ सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी भुगतान कंपनियां लंबे समय से भारत की शून्य एमडीआर नीति का विरोध करती रही हैं और अब सरकार उसी दिशा में नीति बदलने का रास्ता खोल रही है। राहुल गांधी ने इसे अमेरिकी दबाव से जोड़ते हुए सरकार की आर्थिक नीतियों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने सरकार के इस संभावित बदलाव को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि यूपीआई को मुफ्त रखने की मौजूदा व्यवस्था में बदलाव का असर छोटे और बड़े व्यापारियों के साथ उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। हालांकि, फिलहाल दो हजार रुपए से अधिक के सभी व्यापारी यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लगाए जाने का अंतिम निर्णय घोषित नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ग्राहकों से दो हजार रुपए तक के यूपीआई लेनदेन पर शुल्क नहीं लगाया जा सकता। सरकार के इस फैसले के बाद अब यह माना जा रहा है कि दो हजार से अधिक के लेनदेन को संभावित एमडीआर के दायरे में लाने पर विचार किया जा रहा है।

असम : दुष्कर्म व ...

से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत सजाएं सुनाई और जुर्माना लगाया। अदालत ने अपराध को दुर्लभतम श्रेणी का मानते हुए हत्या के लिए राय को मौत की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया और जुर्माना नहीं भरने पर उसे छह महीने का साधारण कारावास भुगतना होगा। न्यायाधीश ने दुष्कर्म के लिए दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई, जिसका अर्थ शेष जीवन तक कारावास है। यह घटना चार सितंबर 2023 को हुई थी। बच्ची चाय बागान परिसर स्थित अपने घर से लापता हो गई थी और कुछ दिन बाद पुलिस को उसका शव मिला था। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी बच्ची को बहला-फुसलाकर एक सुनसान जगह पर ले गया, वहां उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर उसकी हत्या कर दी। बाद में राय को गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस ने मार्च 2024 में आरोपपत्र दाखिल किया था।

असम का रेल नेटवर्क ...

के अनुकूल आवागमन को संभव बनाएगा। यह उपलब्धि महज 12 वर्षों में हासिल की गई है - एक ऐसे राज्य में जहां 2014 से पहले अधिकांश हिस्से ब्रॉड गेज के भी नहीं थे, शर्मा ने दावा किया। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय असम को अन्य राज्यों के समकक्ष लाने में माननीय प्रधानमंत्री के अथक प्रयासों को दिया। शर्मा ने 2014 से विभिन्न चरणों में विद्युतीकरण प्रयासों को आगे बढ़ाने में वैष्णव और मंत्रालय में उनके पूर्ववर्तियों, पीयूष गोयल और सुरेश प्रभु के योगदान को भी स्वीकार किया।

अमित शाह की मौजूदगी ...

देहरादून जिले और हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में यमुना नदी की एक प्रमुख सहायक नदी, टोंस नदी पर प्रस्तावित है। इस प्रोजेक्ट में 232.6 मीटर ऊंचे कंक्रीट ग्रेविटी बांध का निर्माण शामिल है, जिसकी लाइव स्टोरेज क्षमता 1,562 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) होगी। इससे लगभग 0.97 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी और सालाना लगभग 1,476 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। जमा किए गए पानी से यमुना को पुनर्जीवित करने और पीने व औद्योगिक इस्तेमाल के लिए पानी की जरूरतों को पूरा करने में भी मदद मिलेगी, खासकर राजस्थान और दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में, जिससे इस इलाके में जल सुरक्षा मजबूत होगी। इस प्रोजेक्ट को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों के जॉइंट वेंचर, किशाऊ कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा लागू किया जाएगा। ऊपरी यमुना बेसिन के राज्यों ने 12 मई, 1994 को ओखला बैराज तक यमुना के इस्तेमाल लायक सतही पानी के बंटवारे के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इस एमओयू में यमुना नदी के सतही बहाव का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए ऊपरी यमुना बेसिन में स्टोरेज प्रोजेक्ट बनाने की जरूरत को माना गया था। 1994 के एमओयू के पैरा 7(श्री) के तहत, बेसिन राज्यों द्वारा तय किए गए पानी के बंटवारे के दायरे में हर पहचाने गए स्टोरेज प्रोजेक्ट के लिए अलग-अलग समझौते किए जाने थे। यह समझौता ज्ञापन (एमओए) केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में एमएचए में 16 जून को हुई ऐसी ही एक बैठक के लगभग तीन महीने बाद साइन किया गया था, जिसमें यमुना नदी के पुनरुद्धार के लिए लंबे समय से अटके किशाऊ मल्टीपर्पस डैम प्रोजेक्ट पर संबंधित राज्यों के बीच सहमति बनी थी।

भीषण अग्निकांड में ...

देखते आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि घर में रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया और अंदर मौजूद लोग समय रहते बाहर नहीं निकल सके। हादसे में गजानन राजाराम दमोने (65), शारदा दमोने (45), भारती राजाराम दमोने (50) और रोशन गजानन दमोने (21) की मौत हो गई। वहीं, प्रिया गजानन दमोने (28) और गंगा गजानन दमोने (25) गंभीर रूप से झुलस गईं। दोनों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दमोने परिवार दिहाड़ी मजदूरी कर अपना जीवनयापन करता था। गणेश उत्सव के मौके पर एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही मार्केट थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। शुरुआती तौर पर आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

असम में एक सींग...

इनके रहने की जगह को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री जयंत मल्ला बरुआ ने इस विकास को बहुत गर्व और उससे भी बड़ी जिम्मेदारी की बात बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि दुनिया के लगभग 80 प्रतिशत एक सींग वाले गैंडों का असम में होना, दशकों से चल रहे संरक्षण प्रयासों और हमारे फ्रंटलाइन वन कर्मियों व स्थानीय समुदायों के समर्पण को दर्शाता है। मंत्री ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में, राज्य सरकार हर गैंडे की सुरक्षा करने, उनके रहने की जगहों को मजबूत करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। 12 सितंबर को बरुआ ने कहा था कि अकेले काजीरंगा नेशनल पार्क में 2,600 से ज्यादा गैंडे हैं, जबकि मानस नेशनल पार्क में अनुमानित 40-50 गैंडे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे संरक्षण के प्रयासों का नतीजा यह है कि 2025 में असम में गैंडों के अवैध शिकार का एक भी मामला सामने नहीं आया है; 1970 के दशक के बाद से यह दूसरी बार है जब राज्य ने यह उपलब्धि हासिल की है। मंत्री ने यह भी कहा कि एक सींग वाले गैंडों की संख्या में बढ़ोतरी सिर्फ संरक्षण से जुड़ा एक आंकड़ा नहीं है; यह इस बात का मजबूत सबूत है कि पक्के इरादे के साथ सुरक्षा, वैज्ञानिक प्रबंधन और समुदाय के सहयोग से लुप्त होने की कगार पर खड़े वन्यजीवों को बचाया जा सकता है, क्योंकि 1900 के दशक की शुरुआत में दुनिया भर में इनकी संख्या 100 से भी कम थी।

असम की आयरन लेडी ...

नक्सलियों और उग्रवाद के खिलाफ कार्रवाई की है। घने जंगलों में लंबे समय तक चलने वाले ऑपरेशन, आईईडी को न्यूट्रल करना, खुफिया जानकारी पर आधारित ऑपरेशन और हथियारबंद उग्रवादियों के मुकाबला इनकी खासियत हैं। संजुक्ता पराशर नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) में डीआईजी के तौर पर काम कर चुकी हैं। एनआईए में डीआईजी के तौर पर उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों की जांच करने, आतंकवाद और उग्रवाद से जुड़े नेटवर्क को समझने और एजेंसियों के साथ तालमेल बिठाने का अनुभव मिला। आईपीएस बनने के बाद उनकी शुरुआती पोस्टिंग उग्रवाद प्रभावित इलाकों में हुई। घने जंगलों में उन्होंने हथियारबंद उग्रवादियों का सामना किया। फील्ड लीडरशिप और लगातार अभियानों की सफलता के बाद उन्हें असम की आयरन लेडी का नाम दिया गया। असम के जंगलों में उग्रवाद-विरोधी अभियानों का नेतृत्व करने के कारण उन्हें कोबरा यूनिट का आईजी बनाया गया।

मसूद अजहर पर इनाम...

कि ये कितनी खोखली हैं। पाकिस्तान को ऐसी घोषणाएं करने के बजाय ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि विभिन्न स्रोतों का मानना है कि अजहर पाकिस्तान में है। वहीं, पाकिस्तान का दावा है कि वह अफगानिस्तान भाग गया है। अजहर का नाम साल 2019 के पुलवामा आतंकी हमले समेत कई हमलों से जुड़ा रहा है। माना जा रहा है कि इनाम की राशि बढ़ाने का फैसला अक्टूबर 2026 में होने वाली एफएटीएफ की पूर्ण बैठक से पहले पाकिस्तान की अनुपालन छवि मजबूत करने की कोशिश है।

पूर्वोत्तर में हिंसा 77 प्रतिशत...

मार गिराया गया, वहीं 1,066 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया जबकि 117 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने 4,336 हथियार बरामद किए। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए संयुक्त अभियानों ने उग्रवादी संगठनों के लिए अपनी गतिविधियां चलाने की गुंजाइश को काफी सीमित किया है। रिपोर्ट में मणिपुर की स्थिति में भी सुधार का उल्लेख किया गया है। 13 फरवरी 2025 को राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद राज्य में हालात में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। मणिपुर में सामान्य स्थिति की ओर लौटने के संकेत कई बड़े आयोजनों के शांतिपूर्ण आयोजन से भी मिले। इनमें शिरुई लिली फेस्टिवल, डूरंड कप, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा और संगाई फेस्टिवल शामिल हैं। मणिपुर में शांति प्रक्रिया को लेकर एक और अहम घटनाक्रम सामने आया। 4 सितंबर 2025 को यूनाइटेड पीपल्स फ्रंट (यूपीएफ) और कूकी नेशनल ऑर्गेनाइजेशन (केएनओ) के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन यानी एसओओ समझौते का नवीनीकरण किया गया। रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, दो साल बाद समझौते का नवीनीकरण मणिपुर में शांति और स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं भारत-म्यांमार सीमा (आईएमबी) पर सुरक्षा स्थिति अभी भी संवेदनशील बनी हुई है। इसका प्रमुख कारण म्यांमार सेना और रेजिस्टेंस फोर्सेज के बीच जारी संघर्ष है। सीमा पर स्थानीय लोगों की आवाजाही को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने के लिए फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) के तहत 20 बॉर्डर क्रॉसिंग पॉइंट बनाए गए हैं। इसके अलावा सीमा सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करने के लिए 2025 में 12,590 मीटर यानी करीब 12.6 किलोमीटर लंबी सीमा फेंसिंग का निर्माण किया गया। भारत ने म्यांमार के साथ सेना-सेना संबंधों को मजबूत करने के लिए कई स्तरों पर संपर्क और बातचीत जारी रखी। सीमा स्तर की बैठकों के जरिए ऑपरेशनल सहयोग और आपसी विश्वास बढ़ाने पर जोर दिया गया इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम के तौर पर 14 अक्टूबर 2025 को 25 म्यांमार नागरिकों को तामू वापस भेजा गया। रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि पूर्वोत्तर में उग्रवाद से जुड़ी हिंसा में बड़ी गिरावट आई है, जबकि सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई, खुफिया आधारित ऑपरेशन और हथियारों की बरामदगी ने उग्रवादी संगठनों की क्षमताओं पर दबाव बढ़ाया है। हालांकि, मणिपुर और भारत-म्यांमार सीमा की स्थिति को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क बनी हुई हैं। खासकर सीमा पार संघर्ष और अवैध आवाजाही की चुनौती के बीच सीमा प्रबंधन को मजबूत करने पर लगातार फोकस किया जा रहा है।

अब दिल्ली छोड़ ...

गांधी और वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा पार्टी नेतृत्व द्वारा तैयार शॉर्टलिस्ट से नए सेक्रेटरी की नियुक्ति के लिए इंटरव्यू ले रहे हैं। जनरल सेक्रेटरी और इन-चार्ज से यह भी कहा गया है कि वे अपने साथ लगे सेक्रेटरी को राज्यों में विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपें। ये कदम विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी के मद्देनजर उठाए जा रहे हैं। संगठन सृजन अभियान के अंतिम चरण में पार्टी जिला और उससे नीचे के स्तर पर नियुक्त पदाधिकारियों का मूल्यांकन भी शुरू कर चुकी है। जिला, मंडल और ब्लॉक अध्यक्षों का परफॉर्मेंस चेक किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि जिला अध्यक्षों को ए, बी और सी श्रेणी में बांटा जाएगा। सी श्रेणी यानी नॉन-परफॉर्मिंग अध्यक्षों को नोटिस जारी किए जाएंगे। राज्यों में विभागों और सेल्स के अप्रभावी प्रमुखों के खिलाफ भी कार्रवाई की संभावना है। उदाहरण के तौर पर, बिहार में मंडल और ब्लॉक अध्यक्षों के मूल्यांकन करने का फैसला लिया गया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल राज्य नेतृत्व के साथ रिव्यू मीटिंग्स कर रहे हैं। गुजरात में जहां हाल ही में रणदीप सिंह सुरजेवाला को जनरल सेक्रेटरी इन-चार्ज बनाया गया है, वहां मासिक रिव्यू मीटिंग का फैसला लिया गया है। उत्तर प्रदेश में भी नए जिला अध्यक्ष और विभिन्न स्तरों पर समितियों के गठन की तैयारी चल रही है। वेणुगोपाल ने 4 सितंबर को यूपी नेतृत्व के साथ बैठक की थी।

नगांव उपचुनाव में ...

एक महासचिव के नेतृत्व में कई नेता और कार्यकर्ता दल-बदल के लिए आगे आए। असंतुष्ट नेताओं का कहना है कि नगांव लोकसभा क्षेत्र में अल्पसंख्यक उम्मीदवार को मौका नहीं दिए जाने के कारण उन्होंने सामूहिक इस्तीफा देने का फैसला किया है। शिवमणि बोरा को टिकट दिए जाने से कांग्रेस के जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में भी नाराजगी की खबर है। असंतुष्ट कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के एक वर्ग ने भाजपा का दामन थाम लिया है। उपचुनाव से पहले सामने आए इस घटनाक्रम ने कांग्रेस के सामने संगठनात्मक चुनौती बढ़ा दी है।

विकास और जनविश्वास के दम पर नगांव उपचुनाव जीतने को भाजपा आश्वस्त : किशोर भट्टाचार्य

गुवाहाटी (हिंस)। नगांव लोकसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा ने विकास, सुशासन और जनकल्याण को अपने अभियान का मुख्य आधार बनाते हुए जीत का भरोसा जताया है। भाजपा असम प्रदेश के प्रवक्ता किशोर कुमार भट्टाचार्य ने मंगलवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस और एआईयूडीएफ के उम्मीदवारों के मैदान में उतरने के बाद चुनावी मुकाबला निर्णायक चरण में पहुंच गया है, लेकिन भाजपा विकास कार्यों के आधार पर जनता के बीच पूरे आत्मविश्वास के साथ जा रही है। भट्टाचार्य ने कहा कि नगांव और मोरीगांव जिलों में भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान बड़े पैमाने पर विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें लगभग 27, 000 करोड़ रुपए की लागत वाली जागीरोड सेमीकंडक्टर परियोजना, पवित्र बटद्रवा थान का विकास, नगांव मेडिकल कॉलेज, 100 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना, नुरुल अमीन स्टेडियम का आधुनिकीकरण और असम गौरव पथ प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 138 वर्ष पुराने हैबरगांव रेलवे स्टेशन का लगभग 16 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिकीकरण भी किया जा रहा है। इसके अलावा प्रस्तावित काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर से नगांव में संपर्क व्यवस्था, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। भाजपा प्रवक्ता ने मोरीगांव में प्रस्तावित ब्रह्मपुत्र पुल का भी उल्लेख किया, जो भूरागांव को दरंग जिले के बुरीगांव-खारुपेटिया से जोड़ेगा। लगभग 3, 250 करोड़ की लागत वाली इस चार लेन परियोजना से मध्य और उत्तर असम के बीच यात्रा समय कम होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि बालिमुख-शिलटुबी सड़क, मोरीगांव शहर के व्यापक विकास और सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे से जुड़े कई कार्यों के लिए भी सरकार ने धनराशि स्वीकृत की है। भट्टाचार्य ने दावा किया कि इन विकास परियोजनाओं का असर उपचुनाव में भाजपा के पक्ष में दिखाई देगा। महिला मतदाताओं के समर्थन का भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि तीन तलाक की प्रथा समाप्त करने, बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई और बहुविवाह पर रोक लगाने की दिशा में सरकार के कदमों से महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान मजबूत हुआ है। भाजपा उम्मीदवार देवाशीष शर्मा का उल्लेख करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि उनकी सार्वजनिक सेवा, मानवीय दृष्टिकोण और आम लोगों के साथ मजबूत जुड़ाव पार्टी की अतिरिक्त ताकत है। उन्होंने विशेष रूप से मुंबई में शर्मा द्वारा असम से इलाज के लिए आने वाले कैंसर मरीजों को दी गई मानवीय सहायता का उल्लेख किया। भट्टाचार्य ने विश्वास जताया कि विकास, जनकल्याण और देवाशीष शर्मा के व्यक्तिगत जनसंपर्क का यह संयोजन नगांव उपचुनाव के परिणाम को भाजपा के पक्ष में प्रभावित करेगा।

आउनीआटी सत्र भवन निर्माण के लिए पांच करोड़ अतिरिक्त राशि की घोषणा

जोरहाट (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आउनीआटी सत्र (मठ) के भवन निर्माण के लिए अतिरिक्त पांच करोड़ रुपए की राशि देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने आज टियोक स्थित आउनीआटी विश्वविद्यालय के भवन का उद्घाटन करते हुए यह घोषणा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के युवा समाज को आध्यात्मिक शिक्षा के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी आधुनिक तकनीकों की शिक्षा भी हासिल करनी होगी। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के साथ आधुनिक तकनीकी ज्ञान को अपनाना समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी को परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ना होगा। उन्होंने आउनीआटी सत्र और विश्वविद्यालय से जुड़े शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रयासों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे संस्थान युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

नगांव उपचुनाव में बदरुद्दीन अजमल हो सकते हैं एआईयूडीएफ उम्मीदवार

गुवाहाटी (हिंस)। नगांव लोकसभा उपचुनाव को लेकर ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) में उम्मीदवार के नाम को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पार्टी के अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल के नगांव से चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी के दूसरे पसंदीदा उम्मीदवार रेजाउल करीम सरकार ने कहा कि नगांव में चुनाव जीतने के उद्देश्य से वह चाहते हैं कि पार्टी अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल ही चुनाव मैदान में उतरें। रेजाउल करीम सरकार ने कहा कि यदि नगांव में एआईयूडीएफ की जीत सुनिश्चित करना लक्ष्य है तो बदरुद्दीन अजमल का चुनाव लड़ना बेहतर होगा। उनके इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी नेतृत्व नगांव उपचुनाव में अपने प्रमुख चेहरे को मैदान में उतारने पर विचार कर रहा है। नगांव लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और विभिन्न दल अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। ऐसे में एआईयूडीएफ के उम्मीदवार के रूप में बदरुद्दीन अजमल के नाम पर अंतिम फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कलियाबर अस्पताल का स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने किया निरीक्षण

नगांव (हिंस)। असम के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री अशोक सिंघल ने मंगलवार को नगांव जिले के कलियाबर अनुमंडलीय सिविल अस्पताल का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। मंत्री ने अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग, एक्स-रे, सीटी स्कैन और प्रयोगशाला सहित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने डॉक्टरों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत कर मरीजों की संख्या, उपलब्ध सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी आवश्यकताओं की जानकारी ली। सिंघल ने अधिकारियों से मरीजों को समय पर, सुगम और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने के लिए आवश्यक कदमों पर भी अधिकारियों के साथ चर्चा की। मंत्री ने अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन 150 बिस्तरों वाली नई शाखा का भी निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्धारित मानकों और समयसीमा के अनुरूप निर्माण कार्य पूरा करने पर जोर दिया। नई शाखा के शुरू होने के बाद कलियाबर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए अस्पताल की मरीज भर्ती क्षमता बढ़ने के साथ ही विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है। इस दौरान संयुक्त स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. पंचम कुमार बोरा, कलियाबर के अनुमंडल चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, असम वृक्षारोपण एवं फसल विकास निगम के अध्यक्ष मणिमाधव महंत सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

रंगिया में आसू के नेतृत्व में नशा विरोधी जागरूकता रैली, छात्रों ने उठाई सख्त कार्रवाई की मांग

रंगिया (विभास)। सदौ असम छात्र संघ (आसू) के आह्वान पर मंगलवार को कामरूप जिला छात्र संघ के तत्वावधान में रंगिया में एक विशाल नशा विरोधी जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रंगिया आंचलिक छात्र संघ के *शहीद भवन* से शुरू हुई इस रैली में रंगिया हायर सेकेंडरी स्कूल, रंगिया गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल और रंगिया टाउन हायर सेकेंडरी स्कूल के सैकड़ों विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। रैली के दौरान छात्रों ने *असम को नशा मुक्त करो, नशा माफियाओं को गिरफ्तार करो* और *नशे पर लगाम लगाने में विफल सरकार हाय हाय* जैसे नारे लगाकर पूरे इलाके को गुंजायमान कर दिया। यह विरोध प्रदर्शन कामरूप जिला छात्र संघ के अध्यक्ष नवज्योति दास और महासचिव तौफीकुर रहमान के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें जिला छात्र संघ के सलाहकार गोलक राजबंशी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस मौके पर आसू के कार्यालय सचिव भवज्योति डेका ने कहा कि सरकार सिर्फ नशा करने वालों को गिरफ्तार कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती। प्रशासन को नशे के अड्डों को ध्वस्त करने के साथ-साथ इसके मुख्य तस्करों और बड़े कारोबारियों को पकड़कर कठोरतम सजा देनी होगी। वहीं कामरूप जिला छात्र संघ के महासचिव तौफीकुर रहमान ने चिंता जताते हुए कहा कि नशे के बढ़ते चलन ने युवा पीढ़ी को तबाही की ओर धकेल दिया है। पुलिस प्रशासन को छोटे-मोटे अपराधियों के बजाय बड़े ड्रग माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि रंगिया सहित पूरे असम को नशा मुक्त किया जा सके। जिला छात्र संघ अध्यक्ष नवज्योति दास ने असम सरकार से राज्य को जल्द से जल्द नशे के कुप्रभाव से मुक्त कराने के लिए ठोस नीति और कड़े कदम उठाने की जोरदार मांग की।

सृजनसोम ट्रस्ट ने जोरहाट में बाढ़ से प्रभावित छात्रों को एजुकेशनल किट बांटीं

जोरहाट। जोरहाट जिले में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित स्कूली बच्चों की मदद के लिए, सृजनसोम ट्रस्ट ने आज टेओक इलाके के आठ स्कूलों के छात्रों के बीच 600 एजुकेशनल किट बांटीं। यह पहल एक बड़े आउटरीच प्रोग्राम का हिस्सा है, जिसके तहत जोरहाट जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों के 1, 000 छात्रों को जरूरी स्कूली सामान दिया जा रहा है। हर किट में एक स्कूल बैग, पेंसिल बॉक्स और पानी की बोतल है। इसका मकसद छात्रों को व्यावहारिक मदद देना और बाढ़ की वजह से आई रुकावट के बावजूद उनकी पढ़ाई जारी रखने में मदद करना है। इस वितरण कार्यक्रम में असम सरकार के कमिश्नर और सेक्रेटरी तथा असम टूरिज़्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर, पद्मपाणि बोरा ने व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया। बोरा ने छात्रों और शिक्षकों से बातचीत की और एजुकेशनल किट बांटने में शामिल हुए। इस पहल का दूसरा चरण 16 सितंबर को होगा, जिसमें जोरहाट जिले के अलेंगमोरे इलाके के छात्रों के बीच 400 और किट बांटी जाएंगी। इसके साथ ही, ट्रस्ट बाढ़ से प्रभावित कुल 1, 000 छात्रों तक मदद पहुंचाएगा। इस मौके पर बोलते हुए श्री पद्मपाणि बोरा ने कहा कि जब बच्चे किसी प्राकृतिक

आपदा से प्रभावित होते हैं, तो न सिर्फ उनके घर, बल्कि उनकी पढ़ाई और सपनों पर भी असर पड़ता है। यह छोटी सी पहल कुछ प्रभावित छात्रों तक पहुंचने और उन्हें यह याद दिलाने की कोशिश है कि उनकी पढ़ाई और उनके सपने मायने रखते हैं। मुझे उम्मीद है कि ये किट उन्हें थोड़ा हौसला देंगी और आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई में लौटने में मदद करेंगी। सृजनसोम ट्रस्ट के लिए, यह पहल सिर्फ स्कूल किट बांटने के बारे में नहीं है, बल्कि ऐसे समय में बच्चों तक पहुंचने के बारे में है जब उन्हें सबसे ज़्यादा मदद की जरूरत होती है।

रंगिया जंक्शन पर भारी मात्रा में गांजा बरामद, बिहार के तीन तस्कर गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। रंगिया रेलवे स्टेशन पर रेल पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। प्लेटफार्म नंबर दो से पुलिस ने 33 किलो 546 ग्राम प्रतिबंधित गांजा जब्त किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा, पुलिस ने उनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन और एक एटीएम कार्ड भी जब्त किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बिहार निवासी विपुल कुमार, बिट्टू कुमार और सोनू कुमार के रूप में हुई है। रेल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि इस गिरोह के बाकी तारों का पता लगाया जा सके।

रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में *हिंदी दिवस सप्ताह* का समापन

होजाई (निसं)। रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय, होजाई में 8 सितंबर से 14 सितंबर 2026 तक आयोजित *हिंदी दिवस सप्ताह* का भव्य समापन 14 सितंबर को विश्वविद्यालय के भारत तीर्थ भवन में संपन्न हुआ। समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मानवेन्द्रदत्त चौधरी, विशिष्ट अतिथि गीतकार वीरकाण्डेय प्रसाद, परीक्षा नियंत्रक डॉ. शुभजीत चक्रवर्ती, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. सत्यजीत कुमार तथा हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार स्वामी के स्वागत व आसन ग्रहण से हुई। इसके उपरांत ईशा डेकाराजा एवं अन्य छात्राओं द्वारा प्रस्तुत दीप प्रज्वलन व स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार स्वामी द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद कार्यक्रम संयोजक डॉ. नागेश्वर यादव ने सभा के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। समापन सत्र का मुख्य आकर्षण विश्वविद्यालय की वाल मैगजीन *ज्ञानदा* तथा ई-पत्रिका *शब्दायान* का विमोचन रहा। कुलपति प्रो. मानवेन्द्रदत्त चौधरी ने फीता काटकर वाल मैगजीन *ज्ञानदा* का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि वीरकाण्डेय प्रसाद के कर-कमलों द्वारा ई-पत्रिका *शब्दायान* का विमोचन संपन्न हुआ। डॉ. मनोज कुमार स्वामी ने ई-पत्रिका के विषय-वस्तु पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. मानवेन्द्रदत्त चौधरी ने हिंदी विभाग की सराहना करते हुए कहा कि एक ओर जहां परंपरा को सहेजते हुए वाल मैगजीन निकाली जा रही है, वहीं दूसरी ओर तकनीक के साथ कदम मिलाते हुए ई-पत्रिका का प्रकाशन हिन्दी विभाग की दूरदर्शिता को दर्शाता है। डॉ. नागेश्वर यादव ने सभा कि उद्देश्य व्याख्या करते हुए हिंदी को संप्रेषण की सहज भाषा बताया और कहा कि गैर-हिंदी विभागों के विद्यार्थियों की प्रतियोगिताओं में भागीदारी ही हिंदी सप्ताह की वास्तविक सफलता है।

विश्वनाथ चारआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्राप्त तथा विश्वनाथ जिले के प्रतिष्ठित हिंदी संस्थान विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति ने सोमवार को अपराह्न 3 बजे कार्यकारिणी बैठक तथा हिंदी दिवस सभा का आयोजन किया। संस्थान के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह के मार्गदर्शन में कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पांडे के अध्यक्षता में आयोजित सभा में अतिथि के रूप में मुख्य सलाहकार हरिप्रसाद ठाकुर, सलाहकार मदन गोपाल साहू, उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता को मंचासीन करवाया गया। इसके बाद अतिथि को और संस्थान के सभी पदाधिकारी व सदस्य-सदस्या को फुलाम गामोछा और उपहार से सम्मानित किया गया। सचिव संतोष कुमार महतो ने हिंदी

दिवस के शुभ अवसर पर हिंदी दिवस की शुभकामनाएं संदेश पाठ की। सचिव महतो ने सभा उद्देश्य व्याख्या करते हुए कहा कि आगामी 21 सितंबर को हरियाणा के भारत सर्वोत्तम ट्रस्ट द्वारा हमारे संस्थान के सहयोग से विश्वनाथ जिले के जाने-माने आठ साहित्यकार का सम्मान समारोह आयोजित करेंगे। आगामी 26 सितंबर संस्थान को 10वें वर्षगांठ में प्रवेश करेंगे, अत: स्थापना दिवस समारोह के कार्यक्रम कार्यान्वयन के संदर्भ में आज की सभा का आयोजित की गई है। तत्पश्चात सचिव ने केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा प्राप्त दिशा - निर्देशन का अवगत करवाया। सभा में आगामी कार्यक्रम को लेकर विस्तार से चर्चा हुई और दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ 25 और 26 सितंबर को स्थापना दिवस और हिंदी दिवस समारोह मनाने का निर्णय लिया गया। उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, सलाहकार मदन गोपाल साहू, सुरेंद्र कुमार सहनी आदि ने संस्थान के कार्यपद्धति पर मार्गदर्शन दी तथा संस्थान के उपलब्धि पर सराहना की। साथ ही वर्तमान युग में हिंदी दिवस के तात्पर्य पर प्रकाश डालें। तत्पश्चात स्थानीय कवियों व संस्थान के हिंदी सेवी द्वारा श्रोता स्वरचित कविता का रसास्वादन किया। जिसमें कवयित्री सैदया आनोवारा खातुन ने *हिंदी मेरी पहचान,* कवि सुजीत कुमार शर्मा ने *असम का गौरव,* कवयित्री मनीषा पाल ने *एक इंसान चाहिए,* कवि सुरेंद्र कुमार सहनी ने और कवि संतोष कुमार महतो ने *लाल किले के प्राचीर से भारत मां का यशगान* शीर्षक कविता पाठ की सभाध्यक्ष सूर्य नारायण पांडे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में हिंदी दिवस पर आयोजित सभा की सराहना की और संस्थान के हिंदी सेवी द्वारा स्वरचित कविता की बारीकी से और संस्थान के द्वारा हिंदी भाषा तथा साहित्य के प्रचार-प्रसार में 10 वर्ष में हुए गतिविधियों की भूरी भूरी प्रशंसा की। इस मौके पर मुख्य सलाहकार हरिप्रसाद ठाकुर, सलाहकार श्यामानंद रौनियार, मदन गोपाल साहू, सुधन साहनी, सुरेंद्र कुमार सहनी, सुजीत कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष छेदीलाल कुर्मी, सह सचिव मनीषा पाल, दाता सदस्य संतोष प्रसाद गुप्ता, सदस्या बंदना दास, कल्पना पाल, सैयदा आनोवारा खातुन, सदस्य बजरंग रौनियार आदि मौजूद थे। । अंत में सचिव ने उपस्थित सभी का आभार व्यक्त करते हुए सभा भंग की।

हरित भविष्य की ओर केरिपुबल की पहल : ग्रुप केंद्र रांची परिसर में 500 पौधों का वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

रांची। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ग्रुप केंद्र, केरिपुबल, सेम्बो, रांची में ग्रुप केंद्र, केरिपुबल एवं रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सुनील कुमार, उप महानिरीक्षक, ग्रुप केंद्र, रांची ने किया। इस अवसर पर साकेत कुमार सिंह, भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड सेक्टर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप केंद्र परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फलदार, फूलदार एवं औषधीय कुल 500 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, साकेत कुमार सिंह, भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड सेक्टर ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के महत्व के बारे में यह संदेश दिया कि बड़े-बड़े शहर बसा रहे हैं हमलोग, सुकून के लिए गांव ढूंढ़ते हैं। बड़े अजीब है हमलोग - हाथों में कुल्हाड़ी लिए, छांव ढूंढ़ते हैं। वृक्ष केवल प्रकृति की शोभा नहीं, बल्कि हमारे जीवन और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व का आधार हैं।

पेड़ हमें स्वच्छ वायु प्रदान करने के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वृक्षारोपण एवं वृक्षों का संरक्षण प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी सहायक है। इसलिए केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि लगाए गए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल एवं संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आइए, हम सभी मिलकर एक स्वच्छ, स्वस्थ एवं हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लें। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान- *एक पेड़ मां के नाम*-से प्रेरणा लेते हुए, हम सभी पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाएं और अपनी मां तथा प्रकृति के सम्मान में एक-एक पेड़ अवश्य लगाएं। *एक पेड़ मां के नाम* कार्यक्रम में रोटरी क्लब के अध्यक्ष ललित त्रिपाठी एवं क्लब के गणमान्य सदस्यों के साथ-साथ झारखंड सेक्टर मुख्यालय के अजय मिश्रा, पुलिस उप महानिरीक्षक, डीएन लाल, पुलिस उप महानिरीक्षक (सेवानिवृत), श्री केके पांडेय, पुलिस उप महानिरीक्षक, पी कूजुर, पुलिस उप महानिरीक्षक, कम्पोजिट अस्पताल रांची डॉ. श्रीमति शैल बाला सोरेंग, पुलिस उप महानिरीक्षक (चिकित्सा) के अतिरिक्त ग्रुप केंद्र रांची, रेंज कार्यालय रांची, 06 सिग्नल वाहिनी, एडब्ल्यूएस-08 एवं सी/244 वाहिनी, रांची के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रोटरी क्लब के अध्यक्ष ललित त्रिपाठी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। केरिपुबल के साथ संयुक्त रूप से आयोजित यह वृक्षारोपण कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक पहल है। ऐसे कार्यक्रमों से समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ती है और लोगों को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरणा मिलती है। रोटरी क्लब भविष्य में भी केरिपुबल के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के क्षेत्र में और अधिक व्यापक स्तर पर कार्य करने तथा समाज में हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण करने तथा आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

कचुगांव में उत्साह के साथ मनाया गया चौथा आदिवासी शांति समझौता दिवस

कोकराझाड़ (विभास)। असम के आदिवासी समुदाय की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र और राज्य सरकार तथा छह आदिवासी सशस्त्र संगठनों के बीच 15 सितंबर 2022 को हुए ऐतिहासिक शांति समझौते की चौथी वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई। इस उपलक्ष्य में कोकराझाड़ जिले के कचुगांव पब्लिक हाई स्कूल खेल मैदान में चौथे *आदिवासी शांति समझौता दिवस* का भव्य आयोजन किया गया। सुबह से ही मैदान में विभिन्न कार्यक्रमों का दौर शुरू हुआ, जिसमें औपचारिक रूप से ध्वजारोहण और शहीद तर्पण जैसे कार्यक्रम संपन्न किए गए। इसके पश्चात आयोजित खुली सभा में बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) हग्रामा महिलारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और जनसभा को संबोधित किया। कार्यक्रम

में एक तरफ जहां समझौते की वर्षगांठ को लेकर उत्साह देखा गया, वहीं दूसरी ओर शासन के वरिष्ठ नेताओं की गैरमौजूदगी ने आयोजकों और आम जनता को निराश भी किया। तय कार्यक्रम के अनुसार, इस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के अलावा शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु, वन मंत्री जयंत मल्ला बरुआ, मंत्री अश्विनी राय सरकार और मंत्री पल्लव लोचन दास समेत राज्य सरकार के कई प्रमुख नेताओं को बतौर आमंत्रित अतिथि शामिल होना था। इनमें से किसी भी मंत्री या वीआईपी प्रतिनिधि के कार्यक्रम में न पहुंचने के चलते आदिवासी समुदाय के नेताओं और स्थानीय लोगों के बीच निराशा की स्थिति देखी गई।

संपादकीय

ईरानी परमाणु बम के ऊहापोह

जब नई दिल्ली ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एकतरफा युद्ध और आर्थिक प्रतिबंधों के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया जा रहा था, तब अमरीकी कांग्रेस (संसद) में ईरान प्रतिबंध संबंधी बिल पर चर्चा की जा रही थी। तभी राष्ट्रपति ट्रंप ने संभावना जताई कि ईरान युद्ध अमरीकी मध्यावधि चुनाव (मिड टर्म पोल) के बाद तक खिंच सकता है। वैसे ट्रंप इसे 'युद्ध' नहीं मानते। यह भी अजीब मान्यता है। बहरहाल उनका मानना है कि चुनावों के बाद ही जंग समाप्त हो सकती है। उसी दौरान अमरीकी सेना ने होर्मुज के पास और तेहरान में आईआरजीसी के मुख्यालय पर हवाई हमले किए। उनमें कुछ सैनिकों के हताहत होने की भी खबर सामने आई है। हमलों की इंतहा के मद्देनजर कुछ ईरानी सांसदों ने कहा कि अब परमाणु बम बनाने का वक्त आ गया है। संसद में प्रस्ताव पेश कर परमाणु नीति में संशोधन पर चर्चा कराई जाए। हालांकि दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन के इतर एक टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार के दौरान ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सवाल की प्रतिक्रिया में सवाल किया कि ईरान को परमाणु बम बनाने के कोई सबूत अमरीका या इजरायल दे सकता है क्या? ईरान की नीति और सोच परमाणु बम बनाने की नहीं रही है। यह फिजूल का आरोप ईरान पर चस्पां किया जाता रहा है, ताकि हम पर हमला किया जा सके। राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बार-बार बयान देते रहे हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। इसी मकसद से 28 फरवरी को दोनों देशों ने ईरान पर साझा हमला किया था, लेकिन वे अभी तक परमाणु कार्यक्रम की थाह भी नहीं ले सके हैं। यदि ईरान परमाणु शक्ति वाला देश होता, तो वह खामेनेई से फोन पर बात करते, हमले नहीं करते। यह राष्ट्रपति ट्रंप का ताजातरीन बयान है। रक्षा विशेषज्ञ भी ऊहापोह में हैं कि ईरान परमाणु बम बनाने की स्थिति में है अथवा नहीं! परमाणु विज्ञानी मानते हैं कि ईरान के पास इतना संवर्धित यूरेनियम है कि वह एक सप्ताह में ही करीब 10 छोटे परमाणु बम बना सकता है! ऐसे बम भी हिरोशिमा-नागासाकी जैसे विध्वंसक, संहारक बम होते हैं। राजनयिकों और रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जिस दिन ईरान ने छोटे परमाणु बम भी बना लिए, उसी दिन से इजरायल के अस्तित्व की उलटी गिनती शुरू हो जाएगी। कुछ विशेषज्ञों का तो यहां तक दावा और विश्लेषण है कि राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध के चक्रव्यूह में इतना फंस चुके हैं और गहरे तनाव की स्थिति में बताए जाते हैं, लिहाजा वह किसी भी दिन, किसी भी पल, ईरान पर टेक्टिकल परमाणु हमले का आदेश दे सकते हैं। कितना विनाश, कितनी तबाही होगी! लाशों के अंबार लग जाएंगे! समंदर का पानी विषाक्त हो जाएगा! तेल के कुएं बर्बाद हो जाएंगे! क्या ट्रंप की सनक और जिद इस पराकाष्ठा तक भी पहुंच सकती है? हमें तो कमोबेश ऐसा आभास नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) भी संयुक्त राष्ट्र तक गई है, क्योंकि वह ईरान की परमाणु गतिविधियों का यथार्थ जानने में अक्षम और असमर्थ है, क्योंकि ईरान ने उसके निरीक्षण, जांच-पड़ताल को नकार दिया है। यह तभी हो गया था, जब 2025 में अमरीकी बॉम्बर ने बंकर फोड़ू बमों से उसके परमाणु ठिकानों पर हमले किए थे। आईएईए और खुफिया रपटों के मुताबिक, इसके पुख्ता सबूत नहीं हैं कि ईरान के पास वर्तमान में, पूरी तरह से तैयार, परमाणु बम है या उसका हथियारबंद डिजाइन है। उपग्रह की तस्वीरों से संकेत मिले हैं कि ईरान भूमिगत ठिकानों (पिकएक्स माउंटेन क्षेत्र) में अपने बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है, जिससे पश्चिमी देशों और विशेषज्ञों की चिंताएं बढ़ गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईरान राजनीतिक निर्णय लेता है, तो वह बहुत कम समय (कुछ हफ्तों या महीने भर) में परमाणु हथियार के लिए आवश्यक विखंडनीय सामग्री तैयार कर सकता है। बहरहाल अभी तक सब कुछ अटकलें ही लगता है। ईरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का सदस्य है। यदि वह परमाणु बम बनाने के करीब है, तो जाहिर है कि वह इस संधि से बाहर भी आएगा। ब्रिक्स घोषणा-पत्र में परमाणु खतरे और संघर्ष के जोखिमों को भी शामिल किया गया है। क्या यह दस्तावेज सार्थक होगा? ट्रंप इसे क्यों मानेंगे? वैश्विक आर्थिकी को इस वक्त जो नुकसान झेलना पड़ रहा है, उसकी क्षतिपूर्ति में वर्षों का समय लगेगा। कई देशों में अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। लोगों को कमाई करना मुश्किल हो गया है। खाड़ी देशों में जो भारतीय काम कर रहे थे, उनके सामने भी रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ऐसी स्थिति में बेहतर यही होगा कि इस लड़ाई को जल्द से जल्द रोका जाए, तथा ईरान-अमरीका व रूस-यूक्रेन, दोनों युद्धों की समाप्ति की घोषणा हो।

संसद में प्रस्ताव पेश कर परमाणु नीति में संशोधन पर चर्चा कराई जाए। हालांकि दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन के इतर एक टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार के दौरान ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सवाल की प्रतिक्रिया में सवाल किया कि ईरान को परमाणु बम बनाने के कोई सबूत अमरीका या इजरायल दे सकता है क्या? ईरान की नीति और सोच परमाणु बम बनाने की नहीं रही है। यह फिजूल का आरोप ईरान पर चस्पां किया जाता रहा है, ताकि हम पर हमला किया जा सके। राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बार-बार बयान देते रहे हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। इसी मकसद से 28 फरवरी को दोनों देशों ने ईरान पर साझा हमला किया था, लेकिन वे अभी तक परमाणु कार्यक्रम की थाह भी नहीं ले सके हैं। यदि ईरान परमाणु शक्ति वाला देश होता, तो वह खामेनेई से फोन पर बात करते, हमले नहीं करते। यह राष्ट्रपति ट्रंप का ताजातरीन बयान है। रक्षा विशेषज्ञ भी ऊहापोह में हैं कि ईरान परमाणु बम बनाने की स्थिति में है अथवा नहीं! परमाणु विज्ञानी मानते हैं कि ईरान के पास इतना संवर्धित यूरेनियम है कि वह एक सप्ताह में ही करीब 10 छोटे परमाणु बम बना सकता है! ऐसे बम भी हिरोशिमा-नागासाकी जैसे विध्वंसक, संहारक बम होते हैं। राजनयिकों और रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जिस दिन ईरान ने छोटे परमाणु बम भी बना लिए, उसी दिन से इजरायल के अस्तित्व की उलटी गिनती शुरू हो जाएगी।

कुछ अलग

आईने में चेहरा

एक दिन मनुष्य ने चमकते हुए धातु के टुकड़े में अपना चेहरा देखा। वह मंत्रमुग्ध होकर बहुत देर तक उसे निहारता रहा। उसने अपने चेहरे को पहली बार बाहर से देखा था। उसकी इस जिज्ञासा के कारण कुछ समय बाद धातु कांच में बदल गई। और कांच...आईने में। इतिहासकार लिखते हैं, 'जिस दिन पहला आईना बना, उस दिन दूसरा मनुष्य जन्मा।' पहला- जो था। दूसरा- जो दिखाई देता था। धीरे-धीरे दिखाई देने वाला, होने वाले से अधिक महत्त्वपूर्ण और प्रभावी हो गया। अब मनुष्य केवल अपने कर्म नहीं देखता था। वह अपना प्रभाव देखने लगा। वह आईने के सामने घंटों खड़ा होकर मुस्कान का अभ्यास करता। क्रोध का भी अभ्यास करता। विनम्रता का भी। करुणा का भी। धीरे-धीरे अभ्यास, स्वभाव से अधिक विश्वसनीय दिखाई देने लगा। इतिहासकारों ने लिखा, 'सभ्यता का पहला रंगमंच किसी नगर में नहीं बना था, वह आईने के सामने बना था।'

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए "मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं" को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है। आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए "मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं" को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं

यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- "मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।" गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ "लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है।" यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं। आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए। लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरुआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो। लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है।

देश दुनीया से

पहली बार भारत को मिली 'ए' रेटिंग

जापानी रेटिंग एजेंसी 'जेसीआर' ने पिछले सप्ताह भारत की संप्रभु साख रेटिंग को बीबीबी (प्लस) से बेहतर करते हुए ए (माइनस) कर दिया है, जिसका मतलब यह है कि एजेंसी के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था का स्थायी आउटलुक है। किसी भी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने 35 वर्षों में पहली बार भारत को इस श्रेणी में रखा है। हालांकि शेष अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा भारत की रेटिंग का पूर्ण आकलन करना अभी बाकी है, जेसीआर द्वारा भारत की रेटिंग के अभ्युत्थान का खासा महत्व है। रेटिंग में सुधार, दुनिया में भारत के लिए निवेश के माहौल को सकारात्मक बनाता है और कंपनियों द्वारा ऋण लेने को सस्ता और सुगम बनाता है। रेटिंग एजेंसियों का पक्षपात : हालांकि भारत सरकार और उससे जुड़े संस्थान, जेसीआर द्वारा बेहतर रेटिंग का श्रेय भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती को दे रहे हैं, लेकिन यह भी सही है कि अभी तक भारत के प्रति रेटिंग एजेंसियों का रवैया कुछ पक्षपातपूर्ण रहा है। गौरतलब है कि भारत लंबे समय से दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। भारत ने आज तक कभी भी अपने ऋणों पर ब्याज या मूल चुकाने में कोताही नहीं की है, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार निरंतर उच्च स्तर पर बने हुए हैं, भारत प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए, प्रतिरक्षा, टेलीकॉम, अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतानों सहित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में नए से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कुछ समय पूर्व भारत जापान को पछाड़ते हुए, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया। भारत का बैंकिंग क्षेत्र भी पूर्व की समस्याओं से निजात पाते हुए आगे बढ़ रहा है, जहां क्रेडिट ग्रोथ 20 प्रतिशत से भी अधिक बनी हुई है। भारतीय बैंकों के एनपीए मार्च 2026 तक मात्र 1.73 प्रतिशत पर पहुंच चुके हैं। लेकिन भारत की तमाम उपलब्धियों के बावजूद ग्लोबल एजेंसियों मूडीज, स्टैण्डर्ड एंड पुअर्स, फिच आदि, द्वारा भारत क्रेडिट रेटिंग में मात्र मामूली ही सुधार किया और अभी भी मूडीज द्वारा भारत की रेटिंग बीएए3 (स्टेबल), स्टैंडर्ड एण्ड पुअर द्वारा बीबीबी (स्टेबल) और फिच द्वारा बीबीबी - (स्टेबल) ही बनी हुई है। पश्चिमी देशों के सुझावों और दबावों से चल रहे तथाकथित आर्थिक सुधारों पर चलने के बावजूद भारत की रेटिंग में लंबे समय तक कोई विशेष सुधार देखने को नहीं मिला। एक ओर जहां 2020 में मूडीज द्वारा कोरोना के कारण भारतीय बैंकों का आउटलुक को स्थायी से गिराकर नकारात्मक कर दिया गया था, जिसके कारण शेयर बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, लेकिन आश्चर्य का विषय यह है कि अमरीकी बैंकों में वित्तीय संकटों के बावजूद इन एजेंसियों ने तमाम जानकारी के बावजूद दुनिया को पता तक नहीं लगने दिया कि उनके निवेश भयंकर संकट में हैं। दिलचस्प बात यह है कि जहां इन रेटिंग एजेंसियों ने कोरोना महामारी के दौरान दुनिया भर की वित्तीय संस्थानों की रेटिंग को गिरा दिया था, लेकिन अपनी ग्राहक कंपनियों की रेटिंग को उच्च बरकरार रखा था। फाइनेंशियल टाइम्स लिखता है कि 2015 में स्टैंडर्ड एंड पुअर ने स्वयं स्वीकार किया था कि वे बिजनेस पाने के लिए अपने ग्राहक कंपनियों की रेटिंग को ऊंचा रखते हैं, ऐसे में इन कंपनियों की रेटिंग के वास्तव में कोई मायने नहीं हैं। पिछले कई सालों से भारतीय अर्थव्यवस्था के शानदार प्रदर्शन, जिसमें पिछले 5 वर्षों में 52 लाख करोड़ रुपए इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च हो चुके हैं, भारतीय बैंक संकटों से उबर कर निरंतर प्रगति कर रहे हैं, भारत की जीडीपी पिछले 5 वर्षों में वैश्विक युद्धों, सप्लाई चैन व्यवधानों, अन्य देशों द्वारा करेंसी, वैल्यू चेन, भुगतान प्रणाली आदि के हथियारीकरण के बावजूद औसतन 8 प्रतिशत से ज्यादा तेजी से बढ़ रही है, जहां गरीबी (गरीबी और बहुआयामी गरीबी दोनों) दुनिया में सबसे तेजी से कम हो रही है, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के कान पर जूं भी नहीं रेंग रही है। शायद यही कारण है कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया कि दुनिया की शीर्ष रेटिंग एजेंसियों में भारत की भी अपनी रेटिंग एजेंसी होनी चाहिए। भारतवंशियों ने दरकिनार की रेटिंग : एक ओर जहां ग्लोबल रेटिंग एजेंसियां भारत की प्रगति को अनदेखा करते हुए अर्थव्यवस्था की रेटिंग को जानबूझकर कमतर आंकती रही हैं, विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों ने इस रेटिंग को खारिज कर दिया है। जहां ग्लोबल एजेंसियां भारतीय अर्थव्यवस्था को बीबीबी की रेटिंग दे रही हैं, जो लगभग 'जंक' के बराबर है, भारतवंशियों ने 8 जून से 31 अगस्त 2026 के बीच मात्र तीन माह से भी कम समय में 127 अरब डॉलर से भी अधिक विदेशी मुद्रा, विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक जमाओं में भेज दी। जानकारों का मानना है कि ऐसा इसलिए हुआ कि भारतवंशियों ने भारत के केंद्रीय बैंक और व्यावसायिक बैंकों में विश्वास जताया है कि उनकी जमाएं सुरक्षित हैं और उनको ब्याज तथा मूल की अदायगी का कोई खतरा नहीं है। यह सही है कि इस बार रिजर्व बैंक का बैंकों को रुपए के अवमूल्यन के जोखिम से मुक्त करना और इस कारण जमाकर्ताओं को अधिक ब्याज दर देना, एक प्रमुख कारण रहा, जिससे जमाओं में अभूतपूर्व प्राप्ति हो पाई, लेकिन इसके साथ ही इससे यह भी साबित हो गया कि रेटिंग एजेंसियों की पक्षपातपूर्ण रेटिंग, भारतवंशियों के भारत और भारतीय बैंकों के प्रति विश्वास को नहीं डिगा पाई। क्या हैं जेसीआर की रेटिंग के मुख्य बिंदु : जापानी एजेंसी जेसीआर द्वारा भारत की रेटिंग में बीबीबी प्लस से ए माइनस में बदलाव करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की ओर संकेत किया है।

आप का नजरीया

खनकते मुद्दों की नुमाइश

हिमाचल में सियासत की पाजेब अब बजने लगी है और यह सत्ता बनाम विपक्ष के बीच, खनकते मुद्दों की नुमाइश है। आमतौर पर सरकारों के चौथे साल में मिशन रिपीट की शुमारी बढ़ती है, तो इसी अंदाज में हिमाचल के सियासी अलफाज सामने आ रहे हैं। एक परेड मंत्रिमंडलीय विस्तार के स्वरूप में जारी है और इस इंतजार में कुछ चेहरे इंकलाब कर रहे हैं। असली मसला मंत्रियों के रिपोर्ट कार्ड से जुड़ता है, तो स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों से कुछ नेता अमृत छक सकते हैं। हाल फिलहाल शिमला जिला परिषद चुनावों में सत्ता पक्ष की आंतरिक हालत का जो विवरण चस्पां हुआ है, उसमें कुछ नेताओं की हैसियत का दुबलापन बाहर आया है। ऐसे में शिमला को जिस तरह सत्ता का झुकाव मिला, उसके अनुरूप सियासी फील्ड का रखरखाव सही नहीं हुआ। ऐसे में सियासी पतझड़ की 'ड्रॉपिंग' में अगर कोई मंत्री पद गिर जाता है, तो हैरानी नहीं होगी, लेकिन सत्ता के चौथे वर्ष को नई छांव चाहिए। जाहिर है कुछ बदलाव और कुछ नया आगाज करने की कोशिश में, जिस टीम की जरूरत है, क्या वह राज्य से आलाकमान तक एक सरीखी अंगीकार होगी। ये कांग्रेस के अपने पेंच हैं जो नए पद के गोल पोस्ट के करीब पहुंचे सुंदर सिंह की मंजूरी और मन्नतें पूरी नहीं होने दे रहे। इसी संदर्भ में क्षेत्रीय संतुलन की दुहाई देते समीकरण सत्ता ट्रेन की जंजीर खींच रहे हैं। कायदे से फिर कहीं कांगड़ा का नाम सत्ता की अभिलाषा में, अग्रिम पांत बन गया। पालमपुर नगर निगम के चुनावी परिणामों और अपनी हस्ती के परिणामों में आगे रहे आशीष बुटेल के नाम के सदके, मंत्रिमंडल का विस्तार करीब दिखाई देने लगा है। बहरहाल पुराने मंत्री नए हालात के तोरणद्वार नहीं समझ पा रहे, तो कांग्रेसी कड़ी का उबाल बाहर निकल रहा है। भाजपा की मीन मेख निकालने वाली कांग्रेस के दिल्ली दौरे किसके करीब पहुंच रहे हैं, यह एक पहेली है इसलिए हर स्पष्टीकरण स्पष्ट नहीं है। दूसरी ओर सरकार अपने एक्शन की फिरौती में आगामी चुनाव को असाधारण बनाने का मंत्र फूंक रही है। सरकार के प्रयोग कई बार विपक्ष की बेचैनी बढ़ा देते हैं और फिर सोशल मीडिया के बीच आशंकाओं का दरबार सज जाता है। सुंदर सिंह बनाम सुधीर शर्मा के बीच सियासत की शब्दावली न मंजूर है और न ही एक दूसरे से दूर है। यह पक्ष-प्रतिपक्ष की फील्डिंग है, जो राजनीति के चरित्र को बेपर्दा कर सकती है। खैर यह दौर और आक्रामक होगा, लेकिन हिमाचल अपनी तौर पर सियासत के मुखौटों से असंतुष्ट होने लगा है। ऐसे में कांग्रेस की गारंटियां जिस शहद में डूब कर आ रही हैं, उसमें भाजपा के पालने में बेचैनी हो सकती है। प्रदेश में सत्तारूढ़ दल ने 1.8 लाख परिवारों पर अपना दांव खेलना शुरू किया है। अगर ये कांग्रेसी लाभ के समर्पित परिवार बन गए, तो राजनीतिक घटनाक्रम में उफान आ सकता है। कांग्रेस 1.8 लाख परिवारों की ढाई लाख महिलाओं को प्रति महीना पंद्रह सौ तथा तीन सौ यूनिट फ्री बिजली की आपूर्ति कर देती है, तो बजटीय खातों से गहरे सियासी खाते हो जाएंगे। सत्ता के अपने प्रभाव और अपनी दिशाएं होती हैं। वर्तमान सुक्खू सरकार की आर्थिक चुनौतियां किसी से छिपी नहीं, लेकिन सियासी प्रदर्शन के बदलते दौर में यह विपक्ष के मंसूबों को आसान नहीं होने दे रहीं। सरकार सियासत के मंच से 1.8 लाख परिवार अगर छीन सकी, तो चुनाव की पाकेट गहरी हो सकती है।

सरकारों के चौथे साल में मिशन रिपीट की शुमारी बढ़ती है, तो इसी अंदाज में हिमाचल के सियासी अलफाज सामने आ रहे हैं। एक परेड मंत्रिमंडलीय विस्तार के स्वरूप में जारी है और इस इंतजार में कुछ चेहरे इंकलाब कर रहे हैं। असली मसला मंत्रियों के रिपोर्ट कार्ड से जुड़ता है, तो स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों से कुछ नेता अमृत छक सकते हैं। हाल फिलहाल शिमला जिला परिषद चुनावों में सत्ता पक्ष की आंतरिक हालत का जो विवरण चस्पां हुआ है, उसमें कुछ नेताओं की हैसियत का दुबलापन बाहर आया है। ऐसे में शिमला को जिस तरह सत्ता का झुकाव मिला, उसके अनुरूप सियासी फील्ड का रखरखाव सही नहीं हुआ। ऐसे में सियासी पतझड़ की 'ड्रॉपिंग' में अगर कोई मंत्री पद गिर जाता है, तो हैरानी नहीं होगी, लेकिन सत्ता के चौथे वर्ष को नई छांव चाहिए। जाहिर है कुछ बदलाव और कुछ नया आगाज करने की कोशिश में, जिस टीम की जरूरत है, क्या वह राज्य से आलाकमान तक एक सरीखी अंगीकार होगी। ये कांग्रेस के अपने पेंच हैं जो नए पद के गोल पोस्ट के करीब पहुंचे सुंदर सिंह की मंजूरी और मन्नतें पूरी नहीं होने दे रहे। इसी संदर्भ में क्षेत्रीय संतुलन की दुहाई देते समीकरण सत्ता ट्रेन की जंजीर खींच रहे हैं। कायदे से फिर कहीं कांगड़ा का नाम सत्ता की अभिलाषा में, अग्रिम पांत बन गया। पालमपुर नगर निगम के चुनावी परिणामों और अपनी हस्ती के परिणामों में आगे रहे आशीष बुटेल के नाम के सदके, मंत्रिमंडल का विस्तार करीब दिखाई देने लगा है।

दृष्टि कोण

जलभराव का हो सकता है स्थाई समाधान

बरसात के दौरान रुक-रुक कर बस्तियों में जलभराव का संकट देखने को मिल रहा है। जिन राज्यों में चुनाव नजदीक हैं, वहां यह राजनीतिक मुद्दा बन रहा है। क्योंकि व्यापारी, विद्यार्थी, कर्मचारी व आम परिवार, सब जलभराव से परेशान हैं। कोई भ्रष्टाचारियों को कोसता है तो कोई अपने ही शहरियों को। आजकल गुरुग्राम, दिल्ली या पूरे एनसीआर का जलभराव सुर्खियों में है। दक्षिण भारत के महानगरों व मुंबई में भी यदा-कदा ऐसे 'जलप्लावन' के दृश्य दिख जाते हैं। बरसातें कम हों या ज्यादा, मानसूनी हों या न हों, हमारे नगर-महानगर, यहां तक कि गांव भी बरसाती पानी से लबालब हो जाते हैं। कई-कई दिनों तक जलजमाव हो जाता है। नगर निकाय न तो बरसाती पानी सोख पा रहे और न ही उसकी निकासी कर पा रहे हैं। अपर्याप्त और अधिकतर पुरानी, जर्जर, कचरे से अटी-पटी नाले-नालियों की ड्रेनेज प्रणाली भी इसका कारण है। आवासीय परिसरों से पंपों से पानी निकालना पड़ता है। नावें चलने लगती हैं। शौचालय और सीवरेज लाइनें भी ओवरफ्लो हो जाती हैं। कई बस्तियां ड्रेनेज सिस्टम से जुड़ी नहीं होती। इससे भी जलजमाव के नए क्षेत्र बन जाते हैं। जलजमाव हो जाए तो पानी का जमीन के भीतर जाना बंद या मंद हो जाता है। भूमिगत जल स्तर ऊंचा रहता है। ठोस कंक्रीट निर्माण के कारण पानी कम नीचे जाता है। जलवायु बदलाव के दौर में विश्व के कई महानगर 'जलप्लावन' की स्थितियां झेलते हैं। इंजीनियरिंग व्यवस्थाएं इस समस्या का निदान नहीं कर पा रहीं। इसी वजह से कई देश अपने शहरों को स्पॉन्ज सिटी बनाने में लग गए हैं। स्पॉन्ज सिटी यानी ऐसा नगर जो अतिरेकी बरसातों को स्पॉन्ज की तरह सोख ले, उसे भंडारित रखे और जरूरत पड़ने पर उपलब्ध भी करा दे। स्पॉन्ज सिटी अपने पानी को बाहर छोड़ने के बजाय अपनी सीमा के भीतर ही संभाल कर रखती है, अपने उपयोग के लिए। इसे पार्कों, उद्यानों में सिंचाई में लगा सकते हैं। लंबे समय में स्पॉन्ज सिटीज का लाभ यह हो सकता है कि इससे उत्सर्जित कार्बन और जलवायु बदलाव के दंश कम करने में भी मदद मिले। इनमें प्राकृतिक प्रणालियां-फ्लड प्लेन, वेटलैंड, हरित क्षेत्र-पानी को सहेजती हैं। इसके विपरीत शहरी स्टॉर्म ड्रेन या छोटी-बड़ी जल निकासी नालियों जैसे कंक्रीट ढांचों वाली शहरी ड्रेनेज व्यवस्थाएं मुख्यतया बरसाती पानी को शहर से बाहर निकालने के लिए होती हैं। कंक्रीट निर्माण जैसे-जैसे पुराने पड़ते हैं और जनसंख्या बढ़ती है, तो इनकी क्षमता बढ़ानी पड़ती है, अन्यथा शहर डूबने लगते हैं। स्पॉन्ज सिटीज में पेड़, पार्क, झील, तालाब, वेटलैंड्स, रेन गार्डेन्स, ग्रीन रूफ व पार्क-आधारित अतिवृष्टि प्रबंधन होता है। ये भारी बरसातों में कम ही समस्याग्रस्त होंगी। यह जल्दी से जल्दी नाले-नालियों की सीमेंटेड प्रणालियों से पानी बाहर करने की कामचलाऊ सोच से भिन्न, पानी को धीमे-धीमे रिसाव के माध्यम देने की सोच है। इसके मूल में बरसाती जल को रोकना और सोखना है। इससे बाढ़ विभीषिकाएं भी कम होने लगती हैं। संगृहीत जल का पुनः उपयोग होता है। स्पॉन्ज सिटीज़ के कार्यान्वयन को शहरों में जल-अकाल, बाढ़, जलप्लावन, हीट आइलैंड निर्माण व जैव विविधता हानियों को कम करने का जरिया माना जा रहा है। इसे क्लाइमेट चेंज अडैप्टेशन टूल माना जा सकता है। पेरू, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, चीन जैसे देश भी इसे अपनाए हुए हैं। भारत में भी चेन्नई, मुंबई, कोच्चि में महानगरीय बाढ़ों को रोकने के लिए स्पॉन्ज सिटी नियोजन, अध्ययन आदि पर काम हो रहा है। हाल ही में दिल्ली के लिए मास्टर प्लान 2047 घोषित किया है जिसमें दिल्ली का स्पॉन्ज सिटी की ओर बढ़ना नजर आ रहा है।

गुलजार सिंह आत्महत्या मामले में चीमा के इस्तीफे की मांग, कांग्रेस ने चंडीगढ़ में किया प्रदर्शन

सचिन पायलट बोले क्या कानून के अनुसार एफआईआर दर्ज कर जांच नहीं होनी चाहिए

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब कांग्रेस ने दलित व्यक्ति गुलजार सिंह की आत्महत्या के मामले में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के इस्तीफे की मांग को लेकर मंगलवार को चंडीगढ़ में प्रदर्शन किया। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चीमा के आवास की ओर मार्च किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस ने आगे बढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए वाटर कैनन भी चलाए। वाटर कैनन के इस्तेमाल से वरिष्ठ नेता कुलजीत सिंह नागरा सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता घायल हो गए इस मौके पर सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस का वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के खिलाफ कोई निजी मामला नहीं है। लेकिन सवाल यह है कि जब किसी व्यक्ति ने अपने आखिरी बयान में मंत्री का नाम लिया है, तो क्या कानून के अनुसार एफआईआर दर्ज कर जांच नहीं होनी चाहिए? पायलट ने कहा कि गुलजार सिंह की आत्महत्या पंजाब के हालात को दिखाती है। उन्होंने कहा कि आप सरकार जो दावे कर रही है, जमीन पर हालात उससे बिल्कुल अलग हैं। उन्होंने आप को याद दिलाया

कि चुनाव से पहले पार्टी ने दलित उपमुख्यमंत्री बनाने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि दलित उपमुख्यमंत्री बनाना तो दूर, आप सरकार में गुलजार सिंह जैसे दलितों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अरविंद केजरीवाल के चुनाव से पहले किए गए उस वादे का जिक्र करते हुए कि सरकार बनने के तीन महीने में ड्रग्स खत्म कर दिए जाएंगे, पायलट ने कहा कि आप के करीब पांच साल के शासन के बाद पंजाब में चिट्टा इतनी आसानी से मिल रहा है कि अब इसकी होम डिलीवरी तक हो रही है। वरिष्ठ पंजाब कांग्रेस नेताओं, पीसीसी अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, सीएलपी नेता प्रताप सिंह बाजवा और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने भी आप सरकार को घेरते हुए कहा कि आप सरकार पंजाब की सबसे खराब सरकार साबित हुई है। सभी कांग्रेस नेताओं ने सचिन पायलट को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का सबसे बड़ा लक्ष्य 2027 का विधानसभा चुनाव जीतना है। नेतृत्व का फैसला बाद में पार्टी हाईकमान करेगा। इस मौके पर पीसीसी अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, सीएलपी नेता प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, ब्रह्म मोहिंद्रा, विजय इंदर सिंगला, राणा के.पी. सिंह, डॉ. अमर सिंह, सुखपाल सिंह खैरा, राणा गुरजीत सिंह, गुरजीत सिंह औजला, भारत भूषण आशु, डॉ. राज कुमार वेरका, सुखविंदर सिंह डैनी, संगत सिंह गिलजियां, कुलजीत सिंह नागरा, अमरप्रीत लाली, लखवीर सिंह लखा, बलबीर सिंह सिद्धू, अमित विज, पवन आदिया, सुखविंदर सिंह सरकारिया, इंद्रबीर बुलारिया, गुरकीरत सिंह, बलजीत कौर सहित कई नेता मौजूद रहे।

केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं से आया लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव : शशांक मणि

देवरिया (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर मंगलवार को विकास भवन स्थित गांधी सभागार में बैठक हुई। सदर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें अभियान को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई। सांसद ने अधिकारियों और कर्मचारियों से आपसी समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। सदर सांसद ने कहा कि सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना अभियान का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का विशेष अवसर है। केंद्र सरकार के 12 वर्षों और प्रदेश सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने लाभार्थियों से योजनाओं से मिले लाभ और जीवन में आए बदलावों को रील्स के माध्यम से साझा करने की अपील की, ताकि दूसरे लोग भी योजनाओं के प्रति जागरूक होकर उनका लाभ उठा सकें। बताया गया कि 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक चलने वाले अभियान में 12 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित होंगे। अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को सेवा दिवस के तहत *आशीर्वाद का दीया* कार्यक्रम से होगा। इसमें जनपद के घरों में लाभार्थियों समेत आमजन दीप प्रज्वलित करेंगे। मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के जरिए नागरिकों को

विकसित भारत-2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। विधानसभावार, विकासखंडवार और ग्राम पंचायतवार कार्यक्रमों के माध्यम से विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। अभियान के तहत *मेरे सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा, आंगन मिलन सेवा, सेवा की कहानी, सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंग, राष्ट्र के संग, सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज* और *सुशासन सेवा संवाद* समेत कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा प्रमुख स्मारकों पर लेजर शो, महायज्ञ, प्रार्थना सभाएं, ग्राम चौपाल और सीधा संवाद भी आयोजित किया जाएगा। बैठक में सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया, भाटपाररानी विधायक सभाकुंवर, रुद्रपुर विधायक जयप्रकाश निषाद, बांसगांव सांसद प्रतिनिधि संजय सिंह, एमएलसी प्रतिनिधि राजू मणि, जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी, पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

पंजाब के सरकारी स्कूलों में 1000 नौकरियों के फर्जी विज्ञापनों से सावधान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के स्कूल शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में वोकेशनल ट्रेनर के 1000 पदों पर भर्ती के नाम पर सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर प्रसारित हो रहे कथित विज्ञापनों और सूचियों को फर्जी बताया है। विभाग ने लोगों से ऐसे संदेशों पर भरोसा न करने और उन्हें आगे साझा न करने की अपील की है। डायरेक्टर जनरल स्कूल एजुकेशन-कम-स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, समग्र शिक्षा अभियान पंजाब के कार्यालय की ओर से राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (सेकेंडरी) को इस संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है। विभाग ने कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि सरकारी विभाग या निजी कंपनियों के नाम पर ऐसी सूचियां और विज्ञापन फैलाए जा रहे हैं, जिनमें सरकारी स्कूलों में 1000 वोकेशनल ट्रेनर की नौकरियां देने का दावा किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया कि ये विज्ञापन और सूचियां न तो शिक्षा विभाग ने जारी की हैं और न ही उससे जुड़ी किसी आउटसोर्स एजेंसी ने। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, आम जनता और अन्य संबंधित पक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इन पर विश्वास न करें और इनके प्रचार से बचें। एडवाइजरी में यह भी चेतावनी दी गई है कि कुछ लोग इन फर्जी विज्ञापनों का इस्तेमाल नौकरी दिलाने के नाम पर उम्मीदवारों से ठगी करने के लिए कर सकते हैं। विभाग ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति ऐसी भर्ती के नाम पर पैसे मांगता है या संदिग्ध तरीके से संपर्क करता है तो उसकी पूरी जानकारी विभाग के साथ साझा की जाए। लोगों को जागरूक करने के लिए विभाग ने फर्जी विज्ञापन और कथित रिक्तियों वाली स्कूलों की सूची की प्रतियां भी संबंधित अधिकारियों को भेजी हैं। विभाग का कहना है कि इसका उद्देश्य नौकरी चाहने वाले युवाओं को धोखाधड़ी का शिकार होने से बचाना है।

अर्थशास्त्र पेपर लीक मामला : सात लाख में पेपर दिलाने वाला शिक्षक गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से अक्टूबर 2022 में आयोजित प्राध्यापक भर्ती परीक्षा (अर्थशास्त्र) के परीक्षा पूर्व पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार किया है। एसओजी ने श्रवण कुमार (30) को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार श्रवण कुमार धोरीमन्ना बालोतरा का निवासी है। वह वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुम्हारों का तला, धोरीमन्ना में द्वितीय श्रेणी विज्ञान शिक्षक के पद पर कार्यरत था और फिलहाल निलंबित है। एसओजी की

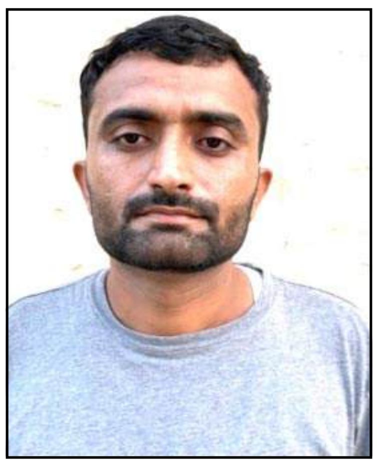

जांच के अनुसार तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा ने अन्य विषयों के साथ अर्थशास्त्र का पेपर भी परीक्षा से पहले शेरसिंह उर्फ अनिल मीणा को उपलब्ध कराया था। इसके बाद शेरसिंह से पेपर सुरेश ढाका और भूपेंद्र सारण गिरोह तक पहुंचा। गिरोह ने अपने संपर्क सूत्रों के माध्यम से राज्य के विभिन्न स्थानों, विशेष रूप से जोधपुर में, अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले पेपर पढ़ाया था। एसओजी ने इस मामले में पहले गोपाल, निवासी नेड़ी-नाड़ी, धोरीमन्ना को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में गोपाल ने बताया कि श्रवण कुमार उसका ग्रामीण और मित्र है। परीक्षा से पहले श्रवण ने उसे अपने घर बुलाकर पेपर लीक गिरोह से संपर्क होने की जानकारी दी और दोनों दिनों की परीक्षा से पहले 7 लाख रुपए में पेपर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की। जांच के अनुसार इसी लीक पेपर के आधार पर गोपाल का प्राध्यापक भर्ती परीक्षा (अर्थशास्त्र) में चयन हुआ। जांच में यह भी सामने आया कि श्रवण कुमार ने स्वयं द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा में अपनी जगह डमी अभ्यर्थी बैठाकर चयन हासिल किया था। इस मामले में वह पहले भी गिरफ्तार हो चुका है। वर्तमान में श्रवण कुमार और गोपाल दोनों अपने-अपने पदों से निलंबित हैं। आरोपी को अदालत से चार दिन का रिमांड मिलने के बाद एसओजी पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और पूरे मामले में आरोपी की भूमिका को लेकर पूछताछ कर रही है।

राजस्थान में हुए निकाय चुनाव में बसपा 19 सीटों पर जीती

लखनऊ (हिंस)। राजस्थान में हुए नगरीय निकाय चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को 19 सीटों पर जीत मिली है। इस जीत पर पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सभी पार्षदों को बधाई दी है। उन्होंने चुनाव परिणामों में धांधली का आरोप भी लगाया है। बसपा प्रमुख ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि राजस्थान में हुए निकाय चुनाव में बसपा ने भी इस बार 19 सीटों पर अपने पार्षद जिताकर भेजे हैं। काफी उम्मीदवार सरकारी मशीनरी की गड़बड़ी की वजह से दोबारा गिनती में जबरदस्ती थोड़े-थोड़े वोटों के अन्तर से हरा दिए गए हैं, वरना पार्टी का यहां और भी अच्छा रिजल्ट आ सकता था। इसके लिए पार्टी ने बसपा के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए दी हैं। मायावती ने आगे लिखा कि इससे पहले पंजाब सहित देश के कुछ और राज्यों में भी जो स्थानीय निकाय के चुनाव हुए हैं, तो वहां भी पार्टी का पहले से अच्छा नतीजा आया है और वे भी बधाई के पात्र हैं।

पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गे को कनाडा से डिपोर्ट किए जाने के बाद हिरासत में लिया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गे को कनाडा से डिपोर्ट किए जाने के बाद हिरासत में ले लिया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। पहचाने गए आरोपी करमवीर सिंह, निवासी गांव बहादर के, लुधियाना को एजीटीएफ की टीम ने इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे, नई दिल्ली पहुंचने पर गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पंजाब पुलिस द्वारा केंद्रीय एजेंसियों की मदद से जग्गू भगवानपुरिया गैंग के मुख्य गुर्गे और भगोड़े अपराधी अमृतपाल सिंह उर्फ अमृत दालम को मोल्दोवा गणराज्य से हवालगी किए जाने के बाद की गई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी करमवीर सिंह ने अमेरिका में अनमोल बिश्नोई को लॉजिस्टिक सहायता और छिपने की जगह उपलब्ध करवाई थी। वह थाना स्टेट क्राइम, एसएएस नगर में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आर्म्स एक्ट और पासपोर्ट एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर में वांछित था। डीजीपी ने बताया कि एजीटीएफ पंजाब द्वारा 3 सितंबर, 2026 को एक लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया था। अधिक विवरण साझा करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) प्रमोद बान ने बताया कि आरोपी करमवीर सिंह आपराधिक पृष्ठभूमि वाला आरोपी है और उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, हथियारबंद लूट-खसोट, जबरन वसूली, आर्म्स एक्ट और अन्य आपराधिक गतिविधियों से संबंधित कम से कम पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं।

स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग के लिए स्मार्ट एआई सहायक विकसित कर रहा आईआईटी जोधपुर

जोधपुर (हिंस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर में ऐसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित सहायक विकसित करने की दिशा में शोध किया जा रहा है, जो तस्वीर, दस्तावेज, आवाज, पाठ और सेंसर से प्राप्त आंकड़ों को एक साथ समझकर वास्तविक जीवन के कार्यों में उपयोगी सहायता दे सकें। यह शोध कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. दिव्या सक्सेना के नेतृत्व में मशीन इंटेलिजेंस प्रयोगशाला में किया जा रहा है। शोध का प्रमुख उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों को अधिक तेज, किफायती, व्यावहारिक और कम संसाधनों में संचालित करने योग्य बनाना है। स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐसी प्रणाली चिकित्सकों को चिकित्सा चित्रों, जांच रिपोर्ट और मरीज से जुड़ी अन्य जानकारी को एक साथ समझने में सहायता कर सकती है। उद्योगों में मशीन की तस्वीर, सेंसर आंकड़े, मशीन के अभिलेख और तकनीकी पुस्तिकाओं का विश्लेषण कर खराबी का पता लगाने तथा उसके समाधान में मदद मिल सकती है। शिक्षा और शोध के क्षेत्र में भी इसके व्यापक उपयोग की संभावनाएं हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सहायक शोध पत्रों, दस्तावेजों और अध्ययन सामग्री को समझकर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने में मदद कर सकते हैं। डॉ. दिव्या सक्सेना ने बताया कि उद्देश्य ऐसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियां विकसित करना है, जो अलग-अलग स्रोतों से मिलने वाली जानकारी को समझ सकें और सीमित

संसाधनों में वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप उपयोगी सहायता दे सकें। एआई का भविष्य केवल बड़े मॉडल बनाने में नहीं बल्कि इसे किफायती, सुरक्षित और व्यापक स्तर पर उपयोगी बनाने में भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे तंत्र विकसित करने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है, जो जानकारी, ज्ञान और विभिन्न साधनों को आपस में जोड़कर लोगों को वास्तविक जीवन के कार्य पूरे करने में सहायता दे सकें। शोध के तीन प्रमुख आधारशोध के तीन प्रमुख आधार बहुआयामी अधिगम, दक्ष कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहायक हैं। बहुआयामी अधिगम के माध्यम से अलग-अलग प्रकार की जानकारी को एक साथ समझने, दक्ष कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से कम संसाधनों में तेजी से काम करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहायकों के माध्यम से केवल सवालों के जवाब देने के बजाय विभिन्न साधनों व उपलब्ध जानकारी का उपयोग कर पूरे कार्य को पूरा करने में सहायता देने पर जोर दिया जा रहा है। शोध का एक महत्वपूर्ण पक्ष ऐसी प्रणालियां विकसित करना भी है, जिन्हें अस्पताल, कारखाने या कम इंटरनेट सुविधा वाले ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर संचालित किया जा सके। इसके लिए कम कंप्यूटिंग संसाधनों की आवश्यकता वाले छोटे और तेज कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल विकसित करने पर काम किया जा रहा है।

हाईकोर्ट बिल्डिंग निर्माण में गड़बड़ी पर डीजीपी कोर्ट में पेश

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग के निर्माण में गड़बड़ियों को लेकर हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई को लेकर डीजीपी राजीव कुमार शर्मा आज जोधपुर पहुंचे और कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट में जांच को लेकर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर उच्च स्तर पर समीक्षा की जा रही है। उसमें जांच जारी है। जांच में सामने आने वाले एविडेंस के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। हाईकोर्ट में डीजीपी राजीव शर्मा ने कुड़ी थाने में दर्ज हाईकोर्ट बिल्डिंग निर्माण मामले को लेकर स्पष्ट किया कि किसी भी जांच में जो भी गिरफ्तारी होती है, जिसमें किसी के विरुद्ध जांच में अपराधिक कृत्य सामने आता है तो उसकी गिरफ्तारी की जाएगी। हाईकोर्ट बिल्डिंग निर्माण के मामले में भी जांच में अपराधिक कृत्य पाए जाने पर गिरफ्तारियां की गई है। आगे भी जांच में जिसकी भी लिप्तता आएगी, इसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हाईकोर्ट में पेश होने के बाद जोधपुर पुलिस कमिश्नर कार्यालय में डीजीपी राजीव शर्मा ने पुलिस अधिकारियों के साथ क्राइम मीटिंग ली। उन्होंने मीटिंग से पहले पत्रकारों से बात करते हुए पुलिस विभाग में किए हुए नवाचार के बारे में बताया। पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचने पर मंगलवार को डीजीपी राजीव शर्मा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यहां डीजीपी राजीव शर्मा ने क्राइम मीटिंग में बॉर्डर इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने पर जोर दिया। डीजीपी राजीव शर्मा ने कहा कि अपराधों की रोकथाम और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए शहर व प्रमुख क्षेत्रों में 5 हजार सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है। डीजीपी ने कहा कि जैसलमेर-बाड़मेर बॉर्डर की सुरक्षा को किस तरह से हम अच्छा कर सकते हैं, वहां के लोगों को किस तरह से बेहतर पुलिसिंग दे सकते हैं। इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन से ड्रग तस्करी, हथियार गिराने के मामले सामने आते हैं।

बिहार कैबिनेट के 17 प्रस्तावों पर मुहर, गयाजी कॉरिडोर के लिए 2520 करोड़ मंजूर

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में मंगलवार शाम हुई बिहार मंत्रिपरिषद की बैठक में 17 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में स्वास्थ्य, कृषि, खनन, पर्यटन, विमानन, बाढ़ सुरक्षा और प्रशासन से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मंत्रिपरिषद ने गयाजी के विष्णुपद मंदिर क्षेत्र को काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित करने के लिए 2520 करोड़ रुपए तथा सोन-फल्गु नदी जोड़ योजना के लिए 996 करोड़ पांच लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। कैबिनेट की बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधीन पांच राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के रिक्त 366 पदों पर नियमित नियुक्ति होने तक संविदा के आधार पर नियोजन की स्वीकृति दी है। इन चिकित्सा महाविद्यालयों में राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय बेतिया, पूर्णिया, जननायक कर्पूरी ठाकुर चिकित्सा महाविद्यालय मधेपुरा, राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय छपरा-सारण और राम जानकी चिकित्सा महाविद्यालय समस्तीपुर शामिल हैं। केंद्रीय क्षेत्र की मखाना विकास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 89 करोड़ 79 लाख 68 हजार 400 रुपए की स्वीकृति दी गई। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में पैरावेट स्कूल की स्थापना के लिए चार अनुदेशक और दो निम्नवर्गीय लिपिक समेत छह पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है। इसके लिए 45 लाख 98 हजार 832 रुपए की राशि स्वीकृत की गई। बैठक में बिहार राज्य विमानन संवर्ग भर्ती नियमावली-2026 के गठन को भी मंजूरी दी गई। साथ ही बिहार जिला खनिज फाउंडेशन नियमावली-2026 की स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रिपरिषद ने नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) केंद्र प्रायोजित योजना के वित्तीय वर्ष 2026-27 में कार्यान्वयन के लिए दो करोड़ 10 लाख रुपए की स्वीकृति दी। योजना का उद्देश्य ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देना और खाद्य तेलों के उत्पादन में

आत्मनिर्भरता हासिल करना है। केंद्र प्रायोजित एकीकृत बागवानी विकास मिशन के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2027-28 तक 78 करोड़ 34 लाख 22 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई। मंत्रिपरिषद ने ईंट-भट्ठा मालिकों को राहत देते हुए वन टाइम सेटलमेंट योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत खान एवं भूतत्व विभाग का वित्तीय वर्ष 2024-25 तक बकाया रखने वाले ईंट-भट्ठा संचालकों को ब्याज की राशि छोड़कर मूल बकाया जमा करने का अवसर मिलेगा। मूल राशि जमा करने के बाद संबंधित नीलाम पत्र पदाधिकारी यह रिपोर्ट करेंगे कि देनदार पर कोई लोक मांग बकाया नहीं है। इसके आधार पर नीलाम पत्रवाद का निस्तारण किया जाएगा। योजना की अवधि तीन माह होगी। राज्य सरकार ने बिहार आकस्मिकता निधि से एक हजार करोड़ रुपए की निकासी को भी मंजूरी दी है। इस राशि का उपयोग बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रगति यात्रा से संबंधित कार्यों, बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों, जल-जीवन-हरियाली अभियान और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों पर किया जाएगा। बिहार सूचना आयोग में राज्य सूचना आयुक्त के दो अतिरिक्त पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई है। ये पद अगले आदेश तक प्रभावी रहेंगे। गयाजी के विष्णुपद मंदिर परिक्षेत्र का काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकास किया जाएगा। इसके लिए 2520 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। वहीं सोन-फल्गु नदी जोड़ योजना के निर्माण के लिए 996 करोड़ पांच लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। दोनों योजनाओं के लिए कुल 3516 करोड़ पांच लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। राज्य की जेलों के आसपास उपलब्ध खाली जमीन का उपयोग करते हुए पेट्रोल पंप खोलने की योजना को भी मंजूरी दी गई है। इसके लिए कारा पेट्रोलियम रिटेल आउटलेट परिचालन नियमावली-2026 के गठन को स्वीकृति दी गई। इसके तहत पूर्णिया और मुजफ्फरपुर की जेलों में इंडियन ऑयल तथा बक्सर और भागलपुर की जेलों में हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप संचालित किए जाएंगे।

अखिल भारतीय गंगोत्री महासभा ने नाव हादसे के मृतकों के परिजनों को दी 75-75 हजार की आर्थिक सहायता

भागलपुर (हिंस)। जिले के खरीक प्रखंड अंतर्गत काजीकौरिया-राघोपुर मार्जिनल बांध पर विगत दिनों फ्लड फाइटिंग कार्य के दौरान गंगा नदी में नाव पलटने की दुखद घटना में जान गंवाने वाले सिकंदर मंडल एवं बादल कुमार मंडल के पीड़ित परिवारों से मंगलवार को अखिल भारतीय गंगोत्री महासभा के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। महासभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्पणा कुमारी के नेतृत्व में समाज के सहयोग से पहुंचे शिष्टमंडल ने दोनों मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पीड़ित परिवारों की तत्काल आजीविका की जरूरतों को देखते हुए महासभा की ओर से दोनों परिवारों को 75-75 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही उन्हें आवश्यक राशन एवं खाद्य सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर महासभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्पणा कुमारी ने कहा कि दोनों परिवारों ने अपने परिजनों को खोकर एक अपूरणीय क्षति झेली है। इस कठिन समय में अखिल भारतीय गंगोत्री महासभा उनके साथ मजबूती से खड़ी है और आगे भी हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि दोनों मृतकों के परिवारों की अत्यंत दयनीय आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए परिवारों के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। साथ ही, हादसे में

गंगा नदी में विलीन हुई सिकंदर मंडल की नाव का भी उचित मुआवजा पीड़ित परिवार को दिया जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकारी मुआवजा व अन्य अनुमन्य सहायता राशि दिलाने के लिए महासभा प्रशासन के समक्ष हरसंभव प्रयास करेगी। इस दौरान अखिल भारतीय गंगोत्री महासभा के कोषाध्यक्ष सिंटी कुमार, कार्यकारिणी सदस्य कृष्णकांत किंकर मंडल, सदानंद शर्मा, रंजीत प्रसाद शर्मा, उदयकांत मंडल, मनोज कुमार मंडल, पीताम्बर कुमार, अभिषेक अरनब, नवरत्न मंडल उर्फ टुन मुखिया, प्रशांत गंगोत्री, भानु प्रताप, राकेश कुमार, कारेलाल मंडल, मिथुन कुमार, संदीप कुमार, रामकृष्ण मंडल एवं दिलीप मंडल सहित समाज के कई अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 450 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,130 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया को मिला नया सीईओ, टेवोल्डे गेब्रेमरियम संभालेंगे कमान, निदेशक मंडल ने कैंपबेल विल्सन को दी विदाई

मुंबई। एयर इंडिया के निदेशक मंडल ने मुंबई में हुई अपनी महत्वपूर्ण बैठक में कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के पद पर बदलाव को अंतिम रूप दे दिया है। इथियोपियन एयरलाइंस समूह के पूर्व प्रमुख टेवोल्डे गेब्रेमरियम इस महीने के अंत में औपचारिक रूप से यह पद संभालेंगे, जबकि वर्तमान सीईओ कैंपबेल विल्सन इस महीने अपने पद से हट जाएंगे। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की अध्यक्षता में हुई बैठक में नए सीईओ के वेतन ढांचे सहित विभिन्न रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। निदेशक मंडल ने जुलाई 2022 से एयरलाइन की महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना का सफल नेतृत्व करने के लिए विल्सन के योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया। टेवोल्डे गेब्रेमरियम विमानन उद्योग में लगभग चार दशकों का व्यापक अनुभव रखते हैं, जिसमें इथियोपियन एयरलाइंस समूह में 11 साल से अधिक समय तक सीईओ का पद संभालना शामिल है। उन्हें एयर इंडिया के चल रहे कायापलट के लिए एक महत्वपूर्ण नियुक्ति माना जा रहा है। इस बीच, एयर इंडिया अपनी ग्राहक सेवा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए सेल्सफोर्स के एआई मंच का उपयोग बढ़ा रही है। इसमें ईमेल का स्वचालित समाधान, नाम बदलने की प्रक्रियाओं का सरलीकरण और ग्राहक सेवा टीमों के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित ज्ञान सहायक शामिल है। कंपनी ने 140 से अधिक उद्यम प्रणालियों को जोड़ने वाला क्लाउड आधारित डिजिटल तंत्र विकसित किया है और 30 से अधिक एआई पहलें जारी हैं।

जेएसडब्ल्यू की नई एसयूवी जेएसडब्ल्यू काम्बैट जल्द होगी लान्च

नई दिल्ली। जल्द ही जेएसडब्ल्यू मोटर्स अपनी पहली एसयूवी जेएसडब्ल्यू काम्बैट के साथ भारतीय बाजार में दस्तक देने की तैयारी कर रही है। दमदार बाक्सी डिजाइन के साथ आने वाली इस एसयूवी में प्लग-इन हाइब्रिड तकनीक मिलने की उम्मीद है। इसे चीन की चेरी की जेटूर टी2 पर आधारित किया जाएगा। कंपनी इसे इस साल त्योहारी सीजन के दौरान भारतीय बाजार में पेश कर सकती है। इसकी संभावित एक्स-शोरूम कीमत 30 लाख से 50 लाख रुपये के बीच हो सकती है। जेएसडब्ल्यू काम्बैट का डिजाइन जेटूर टी2 से काफी मिलता-जुलता हो सकता है। हालांकि, भारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए कंपनी ग्रिल, हेडलैंप और बंपर में बदलाव कर सकती है। एसयूवी में चौकोर एलईडी हेडलैंप, बड़े बंपर, मोटी बाडी क्लैडिंग, 20 इंच के अलाय व्हील और रूफ रेल्स मिलने की उम्मीद है। पीछे की तरफ वर्टिकल एलईडी टेललैंप और टेलगेट पर स्पेयर व्हील दिया जा सकता है। केबिन में भी कई प्रीमियम सुविधाएं मिलने की संभावना है। इसमें 15.6 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 10.6 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले दिया जा सकता है।

मेटा अब सीधे भारतीय एजेंसी को देगा डेटा , मजबूत सुरक्षा और जवाबदेही पर सरकार का जोर

नई दिल्ली। आनलाइन बाल यौन शोषण (सीएसएएम) और अन्य हानिकारक सामग्री के खिलाफ सरकार की कड़ी सख्ती के बीच, सोशल मीडिया दिग्गज मेटा ने बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी सीधे

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा संचालित साइबर अपराध मंच को देने पर सहमति जताई है। यह कदम मेटा को भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सीधे जानकारी देने की प्रतिबद्धता जताने वाली पहली बड़ी प्रौद्योगिकी मध्यस्थ कंपनी बनाता है। केंद्र सरकार लंबे समय से सोशल मीडिया मंचों पर मजबूत सुरक्षा उपाय और अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दे रही है। मेटा के प्रवक्ता ने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता बताया और अपराधियों की जवाबदेही तय करने के लिए सरकार के साथ काम करने की प्रतिबद्धता जताई। पहले मेटा यह जानकारी अमेरिका स्थित एक केंद्र को देता था, लेकिन अब यह व्यवस्था भारत केंद्रित होगी, जिससे त्वरित कार्रवाई में आसानी होगी। सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि भारत में बच्चों की आनलाइन सुरक्षा मूलभूत सिद्धांत है, जिस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

कोटक-एचडीएफसी ने लान्च किए इंडेक्स फंड

म्युचुअल फंड में निवेश का नया द्वार, दोनों ओपन-एंडेड एनएफओ का लक्ष्य बाजार खंडों को ट्रैक करना

नई दिल्ली

म्युचुअल फंड में निवेश की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए दो प्रमुख फंड हाउस, कोटक महिंद्रा म्युचुअल फंड और एचडीएफसी म्युचुअल फंड, ने हाल ही में अपने न्यू फंड आफर (एनएफओ) लान्च किए हैं। ये दोनों ही ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड हैं, लेकिन इनका निवेश फोकस अलग-अलग बाजार खंडों पर है - एक पूंजी बाजार से जुड़ी कंपनियों को ट्रैक करेगा, तो दूसरा रियल एस्टेट और आरईआईटी क्षेत्र पर केंद्रित है।

कोटक निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स फंड: यह फंड कैपिटल मार्केट से जुड़ी कंपनियों वाले इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जिसका लक्ष्य लान्ग टर्म में पूंजी वृद्धि करना है। इसमें निवेशक न्यूनतम 1,000 रुपए (एकमुश्त) से निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि एसआईपी के लिए न्यूनतम 500 रुपए की दो किस्तें आवश्यक हैं। इस फंड में कोई एग्जिट लोड नहीं है। कोटक के इस एनएफओ में निवेश 15 सितंबर, 2026 से 29 सितंबर, 2026 तक किया जा सकता है। इसका बेंचमार्क निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स टीआरआई है।

एचडीएफसी बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स फंड: यह फंड रियल एस्टेट और कमर्शियल रियल एस्टेट से जुड़ी कंपनियों के इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जिसका उद्देश्य भी लान्ग टर्म में पूंजी बढ़ाना है। इसमें न्यूनतम 100 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। इस एनएफओ में निवेश 15 सितंबर, 2026 से 17 सितंबर, 2026 तक किया जा सकेगा। इसमें आवंटन की तारीख से तीन महीने के भीतर यूनिट्स रिडीम करने पर 0.50 फीसदी का एग्जिट लोड लगेगा, जिसके बाद कोई शुल्क नहीं लगेगा। इसका बेंचमार्क बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स टीआरआई है। दोनों ही फंड पैसिव निवेश रणनीति अपनाएंगे और अपने-अपने बेंचमार्क इंडेक्स (कोटक के लिए निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स टीआरआई और एचडीएफसी के लिए बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स टीआरआई) में शामिल सिक्योरिटीज में अपनी कुल एसेट का 95 से 100 फीसदी हिस्सा निवेश करेंगे। शेष 0 से 5 फीसदी हिस्सा डेट सिक्योरिटीज और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में होगा। ये एनएफओ निवेशकों को विशिष्ट बाजार खंडों में विविधीकरण का अवसर प्रदान करते हैं।

एफसीएनआर (बी) जमा पर बैंकों को अतिरिक्त लागत, ब्याज हेजिंग से बढ़ेगा बोझ, आरबीआई द्वारा मूल राशि की ही हेजिंग से 15-20 आधार अंक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारतीय बैंकों को विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा पर 15-20 आधार अंक की अतिरिक्त लागत झेलनी पड़ेगी। यह बढ़ोतरी जमाकर्ताओं को दिए जाने वाले ब्याज के हेजिंग के मद में होगी, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) केवल मूल जमा राशि की हेजिंग कर रहा है, ब्याज की नहीं। यह लागत जमाकर्ताओं को दिए जाने वाले ब्याज के अलावा होगी। बैंक अधिकारियों के अनुसार, बैंकों को इन जमाओं पर डालर में ब्याज देना होता है, जिससे भविष्य में डालर की देनदारी बनती है। इस ब्याज वाले हिस्से की हेजिंग का खर्च बैंकों को खुद उठाना होगा, जो करेंसी फारवर्ड प्रीमियम और दोनों मुद्राओं के बीच ब्याज दरों के अंतर पर निर्भर करता है। आरबीआई की रियायती अदला-बदला व्यवस्था के तहत बैंकों ने एफसीएनआर (बी) जमा से 127 अरब डालर जुटाए थे, जो सुविधा 31 अगस्त को बंद हो गई है। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ बैंकर ने बताया कि ब्याज वाले हिस्से पर हेजिंग की लागत बैंकों को उठानी होगी। निजी क्षेत्र के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि हेजिंग की लागत जोड़ने के बाद एफसीएनआर (बी) जमा की प्रभावी लागत लगभग 15-20 आधार अंक बढ़ जाएगी। उदाहरण के लिए, 6.5 फीसदी ब्याज दर प्रभावी रूप से 6.65 से 6.70 फीसदी हो जाएगी। हालांकि, बैंक अधिकारियों का मानना है कि 3-5 साल की इन जमाओं पर 6.5 से 7.0 फीसदी की तय लागत पर भी रकम जुटाना अभी भी फायदेमंद है। बैंक भविष्य की डालर देनदारी के जोखिम को कम करने के लिए फारवर्ड जैसे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, हालांकि आरबीआई के स्वैप के कारण प्रीमियम बढ़ गए हैं। अनुमान है कि ब्याज का हिस्सा 20 अरब डालर तक हो सकता है, जिसके प्रबंधन के लिए फारवर्ड अहम जरिया होंगे।

टाटा संस पर आईपीओ का दबाव, आरबीआई ने अर्जी ठुकराई

नई दिल्ली

निजी से सार्वजनिक कंपनी बनने सहित कई कानूनी व ढांचागत तैयारी करनी होगी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा संस की प्रमुख निवेश कंपनी (सीआईसी) का दर्जा खत्म करने की अर्जी नामंजूर कर दी है। इस फैसले के बाद अब टाटा संस के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना लगभग अनिवार्य हो गया है, जिससे समूह पर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी तेज करने का दबाव बढ़ गया है। हालांकि, मौजूदा कानूनी और ढांचागत बाधाओं को देखते हुए यह राह आसान नहीं होगी। विशेषज्ञों के अनुसार टाटा संस को आईपीओ लाने से पहले कई महत्वपूर्ण कानूनी और ढांचागत तैयारियां करनी होंगी। 2017 में कंपनी एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई थी, जिसके आर्टिकल्स आफ एसोसिएशन में शेयर हस्तांतरण पर ऐसी पाबंदियां हैं, जो सार्वजनिक सूचीबद्धता के नियमों के अनुकूल नहीं हैं। एक लायर्स ऐंड कंसल्टेंट्स के पार्टनर बताते हैं कि इन बुनियादी शर्तों को पूरा करने के लिए बोर्ड को विशेष प्रस्ताव पारित कर कंपनी को फिर से सार्वजनिक बनाना होगा और प्रतिबंधों वाले नियमों को हटाना होगा। सिंघानिया ऐंड कंपनी के रोहित जैन के मुताबिक, टाटा ट्रस्ट्स की नियंत्रक स्थिति और उससे जुड़ी शासन व्यवस्था की जांच डिस्क्लोजर और संबंधित पक्षकार लेनदेन के संदर्भ में जरूरी होगी। टाटा ट्रस्ट्स, जो टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक हैं, की नियंत्रण स्थिति को बनाए रखते हुए न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) की शर्त को पूरा करना एक चुनौती होगी। संभावना है कि नए शेयर जारी करने के बजाय मौजूदा शेयरधारकों द्वारा आफर फार सेल (ओएफएस) का रास्ता अपनाया जाएगा। शापूरजी पलोनजी समूह, जिसके पास लगभग 18.4 फीसदी हिस्सेदारी है और जो लंबे समय से सूचीबद्धता की मांग कर रहा है, ओएफएस के लिए एक स्वाभाविक दावेदार माना जा रहा है। इससे टाटा संस ट्रस्ट्स की पकड़ ढीली किए बिना नियमों का पालन कर सकेगा। टाटा संस की तात्कालिक प्राथमिकता आरबीआई से आईपीओ टाइमलाइन के बारे में स्पष्ट जानकारी लेना और एक विस्तृत रोडमैप तैयार करना होगी। कंपनी को अपने मूल्यांकन, पब्लिक-फ्लोट की जरूरतों और डिस्क्लोजर फ्रेमवर्क का पुनर्मूल्यांकन करना होगा।

2000 रुपए तक के यूपीआई भुगतान पर नहीं लगेगा कोई शुल्क

नई दिल्ली। सरकार ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, 2,000 रुपये तक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और रुपे डेबिट कार्ड से होने वाले सभी लेनदेन पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। इस सीमा तक कोई भी बैंक या भुगतान व्यवस्था चलाने वाली कंपनी ग्राहकों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई शुल्क नहीं ले पाएगी, जिससे करोड़ों उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के तहत जारी अधिसूचना में स्पष्ट है कि ये डिजिटल माध्यम ग्राहकों के लिए पूरी तरह शुल्क-मुक्त रहेंगे। इसका अर्थ है कि छोटे लेन-देन के लिए यूपीआई उपयोग पर कोई अतिरिक्त लागत नहीं होगी। हालांकि, 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर भविष्य में शुल्क लग सकता है। शुल्क की दर, सीमा और लागू होने वाले विशेष लेनदेन का अंतिम निर्णय भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की अगुवाई वाली यूपीआई और सेवा संचालन समिति करेगी। इसलिए फिलहाल 2,000 रुपये से अधिक का हर यूपीआई भुगतान महंगा नहीं हुआ है, लेकिन शुल्क लगाने का मार्ग खुल गया है।

कंपनियों ने बढ़ाए दाम, फिर शुरू हुआ छूट का खेल , कार में 1 लाख से लेकर 3 लाख तक की छूट

मुंबई

सितंबर में टाटा मोटर्स ने कारों की कीमतों में 25 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की। मारुति सुजुकी ने भी चुनिंदा माडलों पर 20 हजार रुपये तक की कीमत बढ़ाने की घोषणा की। कंपनियों ने इसके पीछे बढ़ती उत्पादन लागत और महंगाई को कारण बताया। इसके बाद ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए छूट और एक्सचेंज आफर का सहारा लिया जा रहा है।

किस कंपनी के कितने लाभ

टाटा मोटर्स: कर्व और नेक्सन सहित कई माडलों पर छूट और अन्य लाभ दिए जा रहे हैं। कर्व पर 1.25 लाख रुपये तक के लाभ की घोषणा की है।

महिंद्रा: विभिन्न माडलों पर डीलर स्तर पर आफर उपलब्ध हैं। सभी माडलों के लिएअलग-अलग छूट दी गई है।

होंडा: एलिवेट पर 1.79 लाख रुपये तक और सिटी पर 1.30 लाख रुपये तक के लाभ उपलब्ध हैं। इनमें नकद छूट, एक्सचेंज बोनस और कारपोरेट लाभ को अलग-अलग शामिल किया गया है।

मारुति सुजुकी: विक्टोरिस के स्ट्रान्ग हाइब्रिड माडल पर 1.35 लाख रुपये तक के लाभ की घोषणा की गई है। स्विफ्ट, वैगनार और अन्य कारों पर भी आफर हैं।

हुंडई: इसके विभिन्न माडलों पर डीलर और कंपनी की योजनाओं के अनुसार छूट मिल सकती है। वास्तविक राशि माडल, स्टाक और स्थान पर निर्भर है।

डीलरों और ग्राहकों में छूट को लेकर तनातनी - ग्राहकों का आरोप है कि कंपनियां पहले कीमतें बढ़ाती हैं। बाद में बड़ी छूट का प्रचार करके खरीदारी का माहौल बनाती हैं। दूसरी ओर, डीलरों का कहना है, छूट में कंपनी का योगदान, एक्सचेंज बोनस, स्क्रैपेज लाभ और डीलर की अतिरिक्त रियायत अलग-अलग होती है। इसलिए विज्ञापन में बताई गई अधिकतम छूट हर ग्राहक को नकद रूप में नहीं मिलती है।

आटोमोबाइल क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, पुराने स्टाक को निकालना, नए माडल के लिए जगह बनाना और बिक्री बढ़ाना छूट योजनाओं के प्रमुख कारण हो सकते हैं।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एशियाई बाजार में भी गिरावट का रुख नजर आ रहा है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के पहले पिछले सत्र के दौरान घबराहट का माहौल बना रहा। ब्याज दर में बढ़ोतरी होने की आशंका के कारण अमेरिकी बाजार के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत लुढ़क कर 7,619.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 146.62 अंक यानी 0.56 प्रतिशत टूट कर 26,186.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 166.20 अंक यानी 0.32 प्रतिशत फिसल कर 52,255 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,697.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,117.78 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 127.75 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,440.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 5,659.85 अंक के स्तर पर ट्रेड कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,379.50 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स भी 123.32 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 45,739.20 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स बड़ी फिसलन का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 0.96 प्रतिशत फिसल कर 6,472.27 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.92 प्रतिशत टूट कर 6,623.04 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.53 प्रतिशत लुढ़क कर 1,582.63 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,837 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत टूट कर 3,881.41 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63,429 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

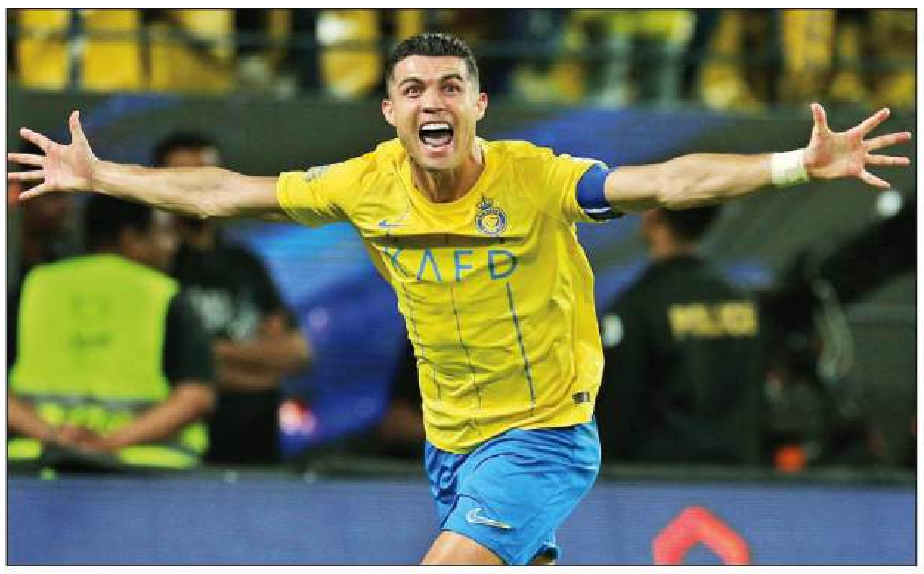

87 साल पुराना रिकार्ड कैसे टूटा : रोनाल्डो की टीम ने रचा इतिहास लगातार 94 मैच में गोल कर बनाया विश्व रिकार्ड

नई दिल्ली

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नस्र ने फुटबाल की दुनिया में ऐसा रिकार्ड बना दिया है, जिसे तोड़ना अब किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। सऊदी प्रो लीग में अल खलीज के खिलाफ 1-1 से ड्रा के दौरान गोल करते ही अल नस्र ने लगातार 94 मैचों में कम से कम एक गोल करने का विश्व रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इस तरह टीम ने अर्जेंटीना के दिग्गज क्लब रिवर प्लेट का 93 मैचों का रिकार्ड तोड़ दिया, जो 1936 से 1939 के बीच बना था।

94 मैच में लगातार गोल, रिवर प्लेट का रिकार्ड टूटा – अल नस्र का यह ऐतिहासिक सिलसिला दिसंबर 2023 में शुरू हुआ था। तब टीम को अल हिलाल के खिलाफ 0-3 से हार मिली थी। इसके अगले ही मुकाबले में अल नस्र ने अल रियाद को 4-1 से हराया और फिर टीम ने लगातार गोल करने का सिलसिला शुरू कर दिया।

अल खलीज के खिलाफ 72वें मिनट में अब्दुल्लाह अल-हमदान ने बराबरी का गोल दागकर इस रिकार्ड पर मुहर लगा दी। 27 वर्षीय हमलावर का यह गोल अल नस्र के लिए सिर्फ एक अंक बचाने वाला गोल नहीं था, बल्कि क्लब फुटबाल के इतिहास में टीम को नई ऊंचाई देने वाला गोल भी बन गया।

रोनाल्डो की कप्तानी में बना रिकार्ड – इस पूरे 94 मैचों के सिलसिले के दौरान रोनाल्डो अल नस्र के कप्तान रहे हैं। पुर्तगाली स्टार ने 2023 में क्लब का दामन थामा था और तब से सऊदी प्रो लीग में 113 मैच खेल चुके हैं। इन मुकाबलों में उनके नाम 105 गोल हैं। हालांकि, रिकार्ड बनने के बावजूद अल नस्र अल खलीज के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सका। ड्रा के बाद टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गई। वह अल हिलाल से दो और अल इत्तिहाद से एक अंक पीछे है।

रोनाल्डो पहले भी बना चुके हैं ऐसा रिकार्ड – रोनाल्डो के लिए लगातार गोल करने का यह सिलसिला नया नहीं है। रियल मैड्रिड के साथ अपने शानदार दौर में वह उस टीम का हिस्सा थे, जिसने अप्रैल 2016 से सितंबर 2017 के बीच लगातार 73 मैचों में गोल किया था। वह रिकार्ड सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर था, जबकि अल नस्र का नया रिकार्ड शीर्ष स्तर की लीग के लगातार मैचों का है। 41 साल के रोनाल्डो के लिए मौजूदा सत्र बेहद खास भी हो सकता है। उन्होंने संकेत दिया है कि 2026-27 का सत्र पेशेवर फुटबाल में उनका आखिरी सत्र हो सकता है। वह सीनियर स्तर पर आधिकारिक तौर पर 1000 गोल पूरे करने वाले इतिहास के पहले फुटबालर बनने की दौड़ में हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीरी एः इंटर मिलान ने उडिनेज को 5-3 से हराया, रोमा के साथ शीर्ष पर कायम

मिलान। गत चैंपियन इंटर मिलान ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए उडिनेज को 5-3 से हराकर सीरी ए में अपना शत-प्रतिशत रिकार्ड कायम रखा। इस जीत के साथ इंटर चार मैचों में 12 अंक लेकर रोमा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर है। इंटर की शुरुआत बेहद खराब रही। जेम्स अबैंकवाह और युर्गेन एकेलेंकैंप ने शुरुआती 16 मिनट में गोल कर उडिनेजे को 2-0 की बढ़त दिला दी और इंटर को बड़ा झटका दिया। इसके बाद कार्लोस आगुस्तो ने लंबी दूरी से शानदार गोल कर इंटर की वापसी की शुरुआत की। निकोलो बरेला ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। दूसरे हाफ में इंटर ने पूरी तरह मुकाबले पर नियंत्रण कर लिया। मार्कस थुराम ने 59वें मिनट में गोल कर टीम को पहली बार बढ़त दिलाई। इसके बाद फ्रांसेस्को एस्पोसितो और आंगे-योआन बोनी ने गोल कर इंटर की बढ़त 5-2 कर दी। इंजरी टाइम में इद्रिसा गुएये ने उडिनेजे के लिए एक गोल किया, लेकिन वह हार टालने के लिए पर्याप्त नहीं था। रोमा ने भी कायम रखा शत-प्रतिशत रिकार्ड रोमा ने भी टोरिनो को 2-0 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। डोनियल मालेन और निकोलो पिसिली ने रोमा के लिए गोल किए। मालेन ने गोलकीपर लुकास पेरी की रक्षात्मक गलती का फायदा उठाते हुए टीम को बढ़त दिलाई। पिसिली ने मैच के अंतिम चरण में जियानलुका मैनचिनी के पास को गोल में बदलकर रोमा की जीत सुनिश्चित कर दी। रोमा के भी चार मैचों में 12 अंक हैं।

मंधाना ने रोहित को पीछे छोड़ा, अब विराट कोहली का रिकार्ड है निशाने पर

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के साथ ही पुरुष टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया।

मंधाना अब टी20 अंतरराष्ट्री क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाली भारतीयों की सूची में दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं। मंधाना ने अब तक 176 टी20आई मैचों में 4751 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतकीय और 38 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं, कुल मिलाकर उनके नाम 38 बार 50 से अधिक रन हैं। वहीं रोहित ने भारत के लिए सबसे छोटे फार्मेट में 159 मुकाबले खेले हैं और 4231 रन बनाये हैं, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। अब मंधाना की नजरें विराट के रिकार्ड पर टिकी हैं। कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की ओर से सबसे ज्यादा 39 बार 50 से अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने 125 मैचों में 4188 रन जोड़े हैं, जिसमें एक शतक और 38 अर्धशतक शामिल हैं।

नकवी की विदायी के बाद अगले एशिया कप में नहीं रहेगा ट्राफी विवाद

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप में जीत के बाद भी एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्राफी लेने से इंकार कर दिया।

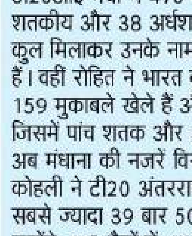

ये एशिया कप में दूसरी बार है जब भारतीय टीम ने नकवी से ट्राफी लेने से इंकार किया है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि नकवी पाक बोर्ड के अध्यक्ष होने के साथ ही पाक सरकार में मंत्री भी हैं। इससे पहले 2025 एशिया कप में भारतीय पुरुष टीम ने भी खिताब जीतने के बाद नकवी से ट्राफी लेने से इंकार कर दिया था। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि ट्राफी को लेकर चला आ रहा यह गतिरोध आखिर कब तक जारी रहेगा। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि इस विवाद का समापन शीघ्र ही होने वाला है। एसीसी अध्यक्ष के रूप में मोहसिन नकवी का कार्यकाल 3 अप्रैल, 2027 को समाप्त हो जाएगा। वहीं एशिया कप का आयोजन हर दो साल में एक बार होता है और ऐसे में अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में प्रस्तावित है, जिसका सीधा अर्थ है कि तब तक मोहसिन नकवी एसीसी अध्यक्ष पद पर नहीं होंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्राफी को लेकर कोई विवाद खड़ा होने की संभावना नहीं है, क्योंकि भारतीय टीम को किसी ऐसे व्यक्ति से ट्राफी नहीं लेनी होगी जिस पर उन्हें आपत्ति है। गौरतब है कि एसीसी अध्यक्ष का पद सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नकवी के व्यवहार और भारत के साथ बिगड़े रिश्तों को देखते हुए उनके दोबारा इस पद पर चुने जाने की उम्मीद बेहद कम है। इससे पहले, जय शाह ने 2021 से लेकर 2025 तक एसीसी अध्यक्ष का पद संभाला था और उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा चुना गया था, जो नकवी के मामले में संभव नहीं दिखता। रिपोर्ट्स के अनुसार, नकवी के कार्यकाल समाप्त होने के बाद एसीसी के अगले अध्यक्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड से हो सकते हैं, जिनका कार्यकाल मध्य 2029 तक चलने की संभावना है।

एशियाई खेल 2026 : हाकी में भारत की नजर स्वर्ण पर, लास एंजिल्स ओलंपिक का टिकट भी दांव पर

नई दिल्ली

हाल ही में संपन्न विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम के आठवें और महिला टीम के पांचवें स्थान पर रहने के बाद अब दोनों टीमें एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगी। पुरुष वर्ग में भारत को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है, जबकि महिला टीम भी चीन को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफिकेशन का रास्ता भी खोलेगा।

क्रेग फुल्टन की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष टीम पिछले चार वर्षों से एशियाई हाकी में अपना दबदबा बनाए हुए है। वर्ष 2023 से भारत ने दो एशियाई चैंपियंस ट्राफी, एशिया कप और एशियाई खेलों सहित सभी महाद्वीपीय प्रतियोगिताएं जीती हैं और इस दौरान उसे एक भी हार का सामना नहीं करना पड़ा।

हालांकि, लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण जीतना आसान नहीं होगा। वर्ष 2006 के बाद से कोई भी टीम लगातार दो संस्करणों में पुरुष हाकी का स्वर्ण नहीं जीत सकी है। काकामिगाहारा में भारतीय टीम का अभियान एक सप्ताह से भी कम समय में शुरू होगा और विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद यह प्रतियोगिता फुल्टन और टीम के कई वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी।

विश्व कप की गलतियों से सीखने की चुनौती – विश्व कप में अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, सुमित, जुगराज सिंह, यशदीप सिवाच, संजय राणा और हरमनप्रीत सिंह सहित भारतीय रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। भारत ने पूरे टूर्नामेंट में 19 गोल खाए, जो विश्व कप में पांचवां सबसे खराब रक्षात्मक रिकार्ड था। पाकिस्तान के खिलाफ भी भारत ने तीन गोल गंवाए।

गोलकीपिंग से लेकर फारवर्ड लाइन तक लगभग हर विभाग संघर्ष करता नजर आया। हालांकि, पेनल्टी कार्नर पर हरमनप्रीत सिंह की ड्रैगफ्लिक भारत के लिए बड़ी सकारात्मक बात रही। पीठ की समस्या से जूझने के बावजूद उनकी शानदार फिनिशिंग ने कई मौकों पर भारत को मुकाबले में बनाए रखा।

अब हरमनप्रीत की सफलता को फील्ड प्ले में भारतीय फारवर्ड खिलाड़ियों को आगे बढ़ाना होगा। 2023 के एशियाई खेलों के बाद से अभिषेक नैन लगातार प्रभावी रहे हैं और उन्होंने 86 मैचों में 30 गोल किए हैं। वहीं, अनुभवी फारवर्ड मनप्रीत सिंह ने 69 मैचों में 11 गोल किए हैं।

फुल्टन ने टीम के चारों क्वार्टर में समान स्तर बनाए रखने में नाकाम रहने पर निराशा जताई थी। हालांकि, एशिया की अन्य टीमों में भी पूरे मैच में लगातार उच्च स्तर का प्रदर्शन करने की क्षमता को लेकर सवाल हैं। लास एंजिल्स ओलंपिक का टिकट दांव पर होने के कारण फुल्टन ने टीम में अनुभव को प्राथमिकता दी है। इसी वजह से आदित्य लालगे की जगह राजकुमार पाल को टीम में शामिल किया गया है, जो विश्व कप में भी टीम के साथ थे।

भारत को ग्रुप चरण में मेजबान जापान और दक्षिण कोरिया के खिलाफ शुरुआती मुकाबलों में अपनी तैयारियों की परीक्षा देनी होगी। इसके बाद नाकआउट चरण में पाकिस्तान या मलेशिया से संभावित मुकाबला हो सकता है।

महिला टीम भी स्वर्ण की दावेदार – महिला वर्ग में सजार्ड मारिजने की भारतीय टीम चीन से एशियाई वर्चस्व छीनने के इरादे से उतरेगी। विश्व कप में उम्मीद से बेहतर पांचवें स्थान पर रहने के बाद टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है। युवा खिलाड़ियों और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलित मिश्रण ने टीम में नई ऊर्जा पैदा की है। विश्व कप में भारत ने इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाफ गोल नहीं खाया, जबकि चीन, दक्षिण अफ्रीका, नीदरलैंड्स और जर्मनी के खिलाफ चार मुकाबलों में केवल छह गोल गंवाए। भारत ने जिन छह टीमों का सामना किया, उनमें से पांच की रैंकिंग उससे बेहतर थी। आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में गेंद पर बेहतर नियंत्रण और संयम रहता तो भारत सेमीफाइनल की दौड़ में हो सकता था। हालांकि, विश्व कप में 11 खिलाड़ियों के पदार्पण के साथ उतरी युवा टीम अब उन अनुभवों को एशियाई खेलों में इस्तेमाल करना चाहेगी।

नवनीत कौर और दीपिका भारत के लिए गोल करने की सबसे बड़ी उम्मीद होंगी। दोनों फील्ड गोल के साथ-साथ पेनल्टी कार्नर पर भी अहम भूमिका निभा सकती हैं। ग्रुप चरण में अपेक्षाकृत कमजोर टीमों के खिलाफ मुकाबले से भारत के अन्य आक्रमणकारी खिलाड़ियों को भी अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा।

भारत के पास सविता पूनिया और बिचु देवी के रूप में दो मजबूत गोलकीपर हैं। पदक दौर में, खासकर चीन के खिलाफ संभावित मुकाबले में, दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। विश्व कप के शुरुआती मुकाबले में भारत ने चीन को 2-2 से बराबरी पर रोका था, लेकिन रक्षापंक्ति की अनुभवहीनता के कारण शिल्पी दास की गलती से चीन को पेनल्टी स्ट्रोक मिल गया था।

44 साल का सूखा खत्म करने का लक्ष्य – अनुभवी मिडफील्डर नेहा को भरोसा है कि भारत इस बार 44 साल से चले आ रहे एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक के सूखे को खत्म कर सकता है। उन्होंने कहा, हमें स्वर्ण पदक जीतना है। चाहे कुछ भी हो, हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। हम स्वर्ण पदक जीतेंगे। महिला टीम के साथ एक और पुनरुत्थान की कोशिश कर रहे मारिज्ने का मानना है कि भारतीय प्रतिभाओं का मौजूदा समूह उनके पहले कार्यकाल वाली टीम से भी बेहतर हो सकता है। हालांकि, 2026 की यह टीम विश्व कप में पांचवें स्थान की शानदार उपलब्धि के बाद एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर ही इस दावे को सही साबित कर सकेगी।

एशिया कप में भारतीय टीम की पुरानी कमजोरी निकलकर सामने आई

दुबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप में श्रीलंका को हराकर अपना खिताब जरुर बरकरार रखा है पर इस जीत के दौरान टीम की एक पुरानी कमजोर उभरकर सामने आ गयी है। ये है कमजोर क्षेत्ररक्षण वाली। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपने सभी मैच आसानी से जीत जिस कारणी भी उसकी कमजोर फिल्डिंग छिप गयी और इस बारे में अधिक बात नहीं हो पायी।

भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर विरोधी टीमों को कोई अवसर नहीं दिया हालांकि इसके बाद भी उसे कमजोर क्षेत्ररक्षण को ठीक करना होगा। जिससे कि उसे आईसीसी टूर्नामेंट में कोई परेशान न आये।

एशिया कप के पूरे टूर्नामेंट के दौरान क्षेत्ररक्षण की कमजोरी स्पष्ट रूप से दिखी, जहाँ भारत ने पाँच मैचों में कुल 13 कैच छोड़े।

यहाँ तक कि फाइनल में भी भारतीय खिलाड़ियों ने तीन कैच गिरा दिये। इसके बाद भी टीम को बड़ी जीत मिल गयी। मुख्य कोच अमोल मजूमदार का हालांक मानना है कि कि खिलाड़ी क्षेत्ररक्षण में सुधार के लिए कड़ी मेहनत और लगातार अभ्यास कर रहे हैं।

क्षेत्ररक्षण में करना होगा सुधार

कोच के अनुसार टीम को क्षेत्ररक्षा में सुधार करना ही होगा। उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर सुधार की गुंजाइश है हालांकि हमने बहुत अच्छा काम किया है। हम इस विभाग में कड़ी मेहनत कर रहे हैं, हमने इसको काफी समय दिया है और बहुत अभ्यास भी किया है। हम इसे बेहतर बनाने के लिए अपनी पूरी मेहनत और ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं। कोच ने मजूमदार ने मध्यक्रम के बल्लेबाजों के उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन न करने और कप्तान हरमनप्रीत कौर की फार्म को लेकर जताई जा रही चिंताओं को भी सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा, यहाँ की परिस्थितियों को देखते हुए हमने कुछ शानदार स्कोर बनाए हैं। मुझे नहीं लगता कि मध्यक्रम को लेकर कोई चिंता है। हमारी सलामी जोड़ी ने लय में हैदी। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की है। खेल का यही नियम है। आप हर किसी से रन बनाने की उम्मीद नहीं कर सकते। जहां तक सुधार की बात है वह हमेशा ही जरुरी है।

22 साल बाद स्विट्जरलैंड में सजेगी विश्व शतरंज की बिसात

जेनेवा । शतरंज जगत का सबसे बड़ा मंच विश्व चैंपियनशिप इस साल के अंत में 24 नवंबर से 11 दिसंबर तक अपने गढ़ स्विट्जरलैंड के जेनेवा में होगी। यहां इतिहास के सबसे युवा विश्व चैंपियन भारत के 20 वर्षीय डी. गुकेश को उज्बेकिस्तान के विश्व चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव चुनौती पेश करेंगे। 2004 में पहली बार चैंपियनशिप स्विट्जरलैंड में हुई थी, जहां व्लादिमीर क्रैमनिक ने पीटर लेको को हराया था। अब 22 साल बाद फिर यह टूर्नामेंट स्विट्जरलैंड लौट रहा है। शतरंज की बिसात जेनेवा स्थित कोलोग्नी की प्रख्यात फोन्डेशन मार्टिन बोडमर लाइब्रेरी और म्यूजियम में बिछेगी। कुल पुरस्कार राशि 25 लाख अमेरिकी डालर (23.97 करोड़ रुपये) है। प्रत्येक खिलाड़ी को जीते गए हर गेम के लिए 2 लाख अमेरिकी डालर (1.91 करोड़ रुपये) मिलेंगे। मैच के अंत में शेष राशि दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबर बांटी जाएगी। यह मैच अधिकतम 14 क्लासिकल गेम्स का होगा। जीत पर 1 अंक और ड्रा पर 0.5 अंक मिलेंगे। जो खिलाड़ी पहले 7.5 अंक हासिल करेगा, वही विश्व चैंपियन बनेगा। अगर 14 गेम्स के बाद स्कोर 7-7 रहा, तो टाइब्रेकर से फैसला होगा। हर गेम में खिलाड़ियों को पहली 40 चालों के लिए 120 मिनट मिलेंगे। फिर बाकी गेम के लिए 30 मिनट अतिरिक्त मिलेंगे।

वरुण चक्रवर्ती बोले, मेरा ध्यान परिणाम पर नहीं बेहतर प्रदर्शन पर रहता है

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि उनका ध्यान प्रक्रिया पर अधिक रहता है। इसलिए वह परिणामों पर ज्यादा जोर नहीं देते। अच्छे परिणाम रहने पर न तो ज्यादा खुश होते हैं और न ही खराब परिणाम आने पर दुखी होते हैं। वरुण के अनुसार लगाता बेहतर प्रदर्शन का प्रयास जरुरी है न कि परिणामों पर प्रतिक्रिया देना। पिछले कुछ समय में वरुण का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। वह टी20 विश्व कप के अलावा, आईपीएल और इंग्लैंड में भी प्रभावित नहीं कर पाये थे।

इस स्पिनर ने कहा, मैं परिणामों के आधार पर फैसला नहीं ले सकता। यदि मैं ऐसा करूंगा, तो मैं छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने लगूंगा। उन्होंने समझाया कि परिणामों के पक्ष में होने पर अत्यधिक खुशी और विपरीत होने पर अत्यधिक दुखी होनो किसी एक खिलाड़ी के लिए स्थिर प्रदर्शन के लिए सही रवैया नहीं है। उनके लिए, सर्वश्रेष्ठ तरीका केवल अपनी प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित रखना है। उन्होंने कहा, अगर गेंदबाजी अच्छी है और फिर भी उससे विकेट नहीं मिलता, तो भी मैं उस पर बना रहूंगा। लेकिन अगर गेंद खराब है और उस पर विकेट मिल जाता है, तो भी मुझे जाकर उस पर उसकी कमी ठीक करनी होगी। यही सबसे अच्छा तरीका है।

गौरतब है कि 49 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 75 विकेट लिए इस स्पिनर का मानना है कि किसी खिलाड़ी के प्रदर्शन का मापदंड केवल विकेटों की संख्या से ही नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, आपने कहा कि सब कुछ विकेट हासिल करने से जुड़ा है लेकिन ऐसा नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि मैं सही जगह पर गेंदबाजी कर रहा हूं या नहीं। उसके बाद जो भी होता है, वह मेरे नियंत्रण में नहीं है। चक्रवर्ती का तर्क है कि गेंद फेंकने के बाद उसका टर्न लेना या न लेना उनके नियंत्रण से बाहर है, इसलिए उनका ध्यान केवल अपनी गेंदबाजी की गुणवत्ता पर रहता है, न कि उसके तत्काल परिणाम पर।

चक्रवर्ती ने अपने इंग्लैंड दौरे को भी एक सीखने का अनुभव बताया, भले ही वह अनुकूल नहीं रहा था। उन्होंने कहा, इंग्लैंड का अनुभव भी मेरे लिए अच्छा रहा। वहां हम जीत नहीं पाए, इसका मतलब यह नहीं कि सब कुछ बेकार गया। सही काम करने से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इसी तरह, चोटों को भी वे खेल का एक अनिवार्य हिस्सा मानते हैं। उनके अनुसार, चोटिल होना यह दर्शाता है कि खिलाड़ी मेहनत कर रहा है और अपनी सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, कभी-कभी हम अपनी सीमाओं को लांघ देते हैं और तब शरीर हार मान लेता है। ऐसे में हमें एक कदम पीछे हटना पड़ता है, बेहतर काम करना पड़ता है और पहले से ज्यादा मजबूत होकर वापसी करनी पड़ती है। यह मानसिकता उन्हें चुनौतियों से उबरने और हर अनुभव से मजबूत होने में मदद करती है।

एक ही टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले पांच खिलाड़ियों में भारत के शुभमन भी शामिल

लंदन

विश्व क्रिकेट इतिहास में टेस्ट क्रिकेट में कई खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। टेस्ट क्रिकेट में अब तब एक ही मैच में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड पांच बल्लेबाजों के नाम है। इसमें भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल भी शामिल हैं।

वहीं इस सूची में इंग्लैंड के ग्राहम गूच, आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में पहले नंबर पर गूच हैं।

ग्राहम गूच : ऐतिहासिक लार्ड्स के मैदान पर 26 जुलाई 1990 को भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए इस मुकाबले में गूच ने भारतीय टीम के खिलाफ पहली पारी में 333 जबकि दूसरी पारी में में 123 रन बनाये। एक ही टेस्ट मैच में 333 और 123 रन बनाकर कुल 456 रन दर्ज कराने का ग्राहम गूच का यह विश्व रिकार्ड आज भी टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक मैच में सर्वाधिक रनों का रिकार्ड है, जिसे पिछले 36 सालों से कोई बल्लेबाज तोड़ नहीं पाया है।

शुभमन गिल : वहीं इस सूची में दूसरा स्थान भारत के युवा सितारे शुभमन गिल के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2 जुलाई 2025 को बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मुकाबले में शुभमन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 269 रन जबकि दूसरी पारी में 161 रन बनाये। मैच में कुल 430 रन (269 और 161) बनाकर शुभमन गिल ने टेस्ट इतिहास में एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।

मार्क टेलर : तीसरे स्थान पर आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर हैं, टेलर ने 15 अक्टूबर 1998 को पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाज में भी रिकार्ड बनाया। पहली पारी में टेलर 334 रनों पर नाबाद रहे। इसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने 92 रन जोड़े। मार्क टेलर का यह 426 रनों (नाबाद 334 और 92) का संयुक्त प्रयास टेस्ट क्रिकेट के सबसे यादगार मैच आंकड़ों में गिना जाता है।

कुमार संगकारा : श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा ने 4 फरवरी 2014 को चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 319 वहीं दूसरी पारी में 105 रन बनाये। संगकारा ने कुल 424 रनों के साथ ही सूची में चौथा स्थान हासिल किया।

ब्रायन लारा : इस सूची में पांचवें स्थान पर वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा रहे। उन्होंने 10 अप्रैल 2004 को सेंट जान्स में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही पारी में नाबाद 400 रन बनाकर इतिहास रचा था। हालांकि उन्हें दूसरी पारी में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उनकी यह अकेली 400 रनों की पारी टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर के रूप में आज भी दर्ज है।

सुझाव

फिट लोग जिम में खुद को करते हैं चोटिल

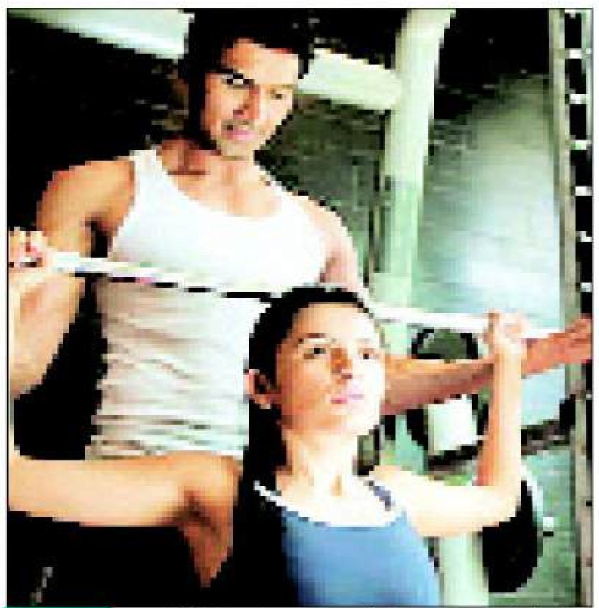

फिट रहने के लिए नियमित रूप से जिम जाना जरूरी है। जिम में बहुत सारे उपकरण होते है । जिनका प्रयोग आप करते हैं। कई बार हम यह देखते हैं कि ट्रेडिमल पर चलते हुए, मशीनों का गलत प्रयोग करते हुए, अधिक वजन उठाने, आदि के कारण आप चोटिल हो जाते हैं। लेकिन जो लोग मंझे होते हैं यानी जो नियमित रूप से जिम आते हैं वो ये गलतियां कम करते हैं, फिर भी वो चोटिल हो जाते हैं। इनकी चोट के पीछे मशीन का गलत प्रयोग नहीं होता बल्कि दूसरे कारण भी होते है। जिनके कारण फिट लोग भी खुद को चोटिल कर लेते हैं। इस स्लाइडशो में उनके बारे में जानते हैं।

वॉर्म-अप न करना

जिम के मशीनों का प्रयोग करना जितना जरूरी है। उससे कहीं ज्यादा जरूरी इनके प्रयोग से पहले वार्म-अप करना है। लेकिन लोग जिम जाकर सीधे मशीनों का प्रयोग करने लगते हैं और चोटिल होते हैं। दरअसल वर्कआउट से पहले स्ट्रेंचिंग या वार्म-अप करने से आपकी मांसपेशियां जिम के लिए तैयार हो जाती हैं। वार्म-अप से जोड़ों के अंदर मौजूद लुब्रीकेंट सक्रिय हो जाता है और जोड़ लचीले हो जाते हैं। जिम में चोटिल होने के पीछे आपका बहुत अधिक उत्साहित हो जाना भी है। आप जल्दी से अपने एब्स पैक बनाना चाहते हैं, इसलिए आप एक पाउंड वजन से शुरूआत करते हैं और दो-तीन राउंड के बाद इसे बढ़ाते जाते हैं। जबकि इसके लिए आपको कुछ सप्ताह या महीनों का इंतजार करना चाहिए।

सही तरीके से नहीं करते

वर्कआउट के दौरान अक्सर आपको लगता है कि अब एक ही राउंड बचा है या फिर एक ही एक्सरसाइज बची है क्यों न ऐवें ही कर लिया जाये, गलती यहीं होती है। स्वाट करने के लिए अगर आगे की तरफ सही से न झुका जाये तो कमर में खिंचाव की समस्या हो सकती है। यानी एक छोटी सी गलती आपको चोटिल कर सकती है। जिम में प्रत्येक वर्कआउट के लिए नियम होते हैं, और उनकी अनदेखी करने से चोट लगना स्वाभाविक है। इसके अलावा जिम के लिए एक निश्चित समय होता है और उससे अधिक वर्कआउट करना सही नहीं है। इसके अलावा अगर वर्कआउट के समय दर्द होने लगे तो तुरंत जिम करना बंद कर दें। लेकिन लोग इस दर्द को हल्का दर्द समझ कर बर्दाश्त करते हैं और स्थिति बदतर हो जाती है।

आराम नहीं करते

रोज जिम जाने की जरूरत नहीं है, फिटनेस ट्रेनर भी आपको सप्ताह में दो से तीन दिन आराम करने की सलाह देते हैं। क्योंकि मांसपेशियों को रिकवरी के लिए वक्त चाहिए। इसके अलावा एक ही दिन एक जैसा व्यायाम न करें, नहीं तो परिणाम सकारात्मक होने की बजाय नकारात्मक आने लगेगा। इसलिए मांसपेशियों को भरपूर आराम दें और अपने शरीर को भी आराम दें।

गलत जूतों के कारण

अगर आपको लगता है कि एक ही जूतों से सभी तरह के वर्कआउट किये जा सकते हैं तो आप गलत हैं। प्रत्येक वर्कआउट के लिए अलग-अलग तरह के जूते डिजाइन किये गये हैं। रनिंग के लिए बने जूतों में फ्लेक्सिबल फैब्रिक्स का प्रयोग किया जाता है। इसलिए वर्कआउट के अनुसार ही जूतों का चयन करें और चोटिल होने से बचें।

सुबह उठते ही पानी पीने से

निखरती है सुंदरता

बेहतर जीवन यापन के लिए जरूरी है शुद्ध और पौष्टिक आहार, परफेट व्यायाम और ढेर सारा पानी। इन तीनों ही चीजों को अगर बिल्कुल सही तरीके से मेनटेन करके चला जाए, तो आपकी बॉडी भी पूरी तरह से हेल्दी, वेल्दी एंड फाइन बन जाती है। अब आपमें से कई लोग ये सोच रहे होंगे कि पौष्टिक आहार और व्यायाम तक तो सुना था। अब इसमें पानी का ऐसा या रोल है। बहुत बड़ा रोल है। कहते हैं कि रोज सुबह खाली पेट पानी पीने से आपके शरीर को बहुत सारे फायदे होते हैं। सिर्फ यही नहीं पानी आपको और भी कई तरीके से हेल्दी रखता है। कैसे, आइए जानें।

गंदगी का बाहर निकलना जरूरी

सांस लेने में, खाना खाने में या कई और तरीकों से भी बाहर की गंदगी हमारे शरीर में पहुंच जाती है। इस गंदगी को लोग अगर समय-समय पर शरीर से

बाहर नहीं निकालते रहे तो ये हमारी बॉडी के अंदर ढेर होकर किसी भी तरह का नुकसान पहुंचा सकती है। इस गंदगी को शरीर से बाहर निकालने का सबसे सही उपाय है पानी। हम जितना ज्यादा से ज्यादा पानी पिएंगे। हमारी यूरिन के जरिए ये गंदगी हमारे शरीर से बाहर निकलती रहेगी।

कब्ज रहता है दूर

आपको भी आए दिन कज की समस्या सताती है। हां, तो आपके लिए भी रामबाण दवा है सिर्फ और सिर्फ पानी। दरअसल ऐसा तो डॉटर्स की भी राय होती है कि खाली पेट पानी पीने से पेट पूरी तरह से साफ हो जाता है। अब जाहिर सी बात है कि जब पेट पूरी तरह से साफ हो गया तो पूरे दिन के लिए आपकी पाचन क्षमता और भी अच्छी हो जाएगी।

त्वचा में आता है निखार

आप भी ग्लोइंग स्किन के मुरीद हैं तो सबसे आसान नुस्खा है सुबह उठते ही सबसे पहले पानी पीना। ऐसा करने से आपका शरीर हाइड्रेटेड रहता है। इसके साथ ही आपकी स्किन भी सॉफ्ट होती है।

दुरस्त रहती है पाचन क्रिया

किसी को भी अगर अपनी पाचन क्रिया पूरी तरह से दुरुस्त रखनी है तो सबसे अच्छा तरीका है जी भर के पानी पीना। सुबह उठते ही पानी पीने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है।

सिर्फ यही नहीं ऐसा करने से हमारी पाचन क्रिया 1. 5 घंटे तक 24 प्रतिशत और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

शरीर के लिए फायदेमंद है नमक वाला पानी

नमक, इसका इस्तेमाल तो रसोई में खाना बनाने के लिए किया जाता है। यह खाने का स्वाद और बढ़ा देता है। स्वाद के साथ अगर देखा जाए तो नमक प्राकृतिक रूप से एक औषधि भी है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मददगार साबित होता है। अगर रोज सुबह नमक वाले पानी का सेवन किया जाए तो ऐसे में शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे मिलते हैं। क्योंकि नमक में ऐसे कई तत्व मौजूद होते हैं।जो शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होते हैं।

वजन घटाएंः नमक वाला पानी पाचन को दुरुस्त करके शरीर की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचाता है, जिससे कि मोटापे को कंट्रोल में किया जा सकता है।

त्वचाः नमक में मौजूद क्रोमियम और सल्फर होता है जो एक्ने से लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा यह त्वचा को कोमल और साफ बनाएं रखता है।

डिटॉक्सः प्राकृतिक रूप अगर देखा जाए तो नमक बॉडी को डिटॉक्स करने का काम करता है। इसलिए रोजाना सुबह उठकर नमक वाले पानी का सेवन करें।

हड्डियां मजबूतः नमक वाले पानी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करके हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

एंटीबैक्टिरियलः नमक में खनिज भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो एंटीबैक्टिरियल का काम करते हैं और शरीर को तंदरुस्त बनाने में मदद करते हैं।

कई बीमारियों से दूर रखती है अजवाइन

अजवाइन का इस्तेमाल मसाले के रूप में हर रसोई में किया जाता है। दादी-नानी के नुस्खे में पेट दर्द होने पर अजवाइन की फक्की मार लेने की सलाह दी जाती है। यह खाने का स्वाद तो बढ़ाती ही है साथ ही सेहत से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करती है। इसका चूर्ण बनाकर खाने से पाचन क्रिया दुरूस्त रहती है।

इसके लाजवाब फायदों के बारे में

अपचः खाना खाने के बाद भारीपन होने पर 1 चम्मच अजवाइन को चुटकी भर अदरक के पाउडर के साथ खाने से फायदा मिलता है।

गुर्दे की पथरीः गुर्दे की पथरी के इलाज के लिए अजवाइन बहुत लाभकारी है। अजवाइन, शहद और सिरका का लगातार 15 दिनों तक सेवन करने से फायदा मिलता है।

अस्थमाः अस्थमा के इल ाज के लिए भी अजवाइन बहुत फायदेमंद मानी जाती है। रोजाना दिन में 2 बार अजवाइन के साथ गुड का सेवन करने से लाभ मिलता है।

पेट दर्दः पेट दर्द से परेशान हैं तो अजवाइन और नमक का सेवन गुनगुने पानी के साथ करें।

पीरियड्सः पीरियड्स में होने वाली दर्द से छुटकारा पाने के लिए अजवाइन का पानी बहुत लाभदायक है।

गठियाः गठिया यानि जोड़ों का दर्द। गठिए के रोगी को रोजाना अजवाइन के तेल के साथ जोड़ों की मालिश करनी चाहिए। इससे आराम मिलेगा।

जानकारी

अदरक और कालीमिर्च है आपके लिए अमृत समान

रोजाना के दिनों में होने वाली कब्ज, सर्दी-खांसी जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए अदरक और कालीमिर्च खाएं। इन समस्याओं के साथ अन्य कई बीमारियां भी आप से दूर रहेंगी।

कब्ज की दिक्कत

आज शहरों में रहने वाला हर दूसरा इंसान शाम को भोजन करने के बजाय फास्टफुड और चटपटा भोजन ही खाना पंसद करता है। जबकि ये भोजन हल्के होने के बजाय पेट को भारी करने का काम करते हैं और कब्ज की समस्या पैदा करते हैं। अगर आपकी भी रुटीन लाइफ ऐसी है और आपको कब्ज की समस्या है तो रात को पानी में अदरक और काली मिर्च उबालें और उसे पिएं। इससे कब्ज की समस्या नहीं होगी।

खांसी दूर करे

बदलते मौसम में इंसान को सबसे पहले सर्द-गर्म ही होता है जिसका पहला लक्षण है- खांसी। यदि समय पर इस मौसमी खांसी का उपचार नहीं किया जाता है तो यह गंभीर रोग बन जाता है। तो अगर आपको खांसी की समस्या है तो काली मिर्च को पीसकर उसका पाउडर बनायें। फिर देशी घी में उसे भूनकर उसका सेवन करें। गरम शहद में अदरक का रस मिलाकर पीने से भी इससे राहत मिलती है।

बुखार का रामबाण इलाज

कालीमिर्च और अदरक का घोल तो बुखार का रामबाण इलाज है। बुखार ठीक करने के लिए सुबह शाम पानी में अदरक और काली मिर्च उबाल कर पिएं। इससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और बुखार ठीक हो जाता है।

पेट दर्द से राहत दिलाए

पीरियड के दौरान कई महिलाओं को पेट दर्द की समस्या होती है। ये दर्द कई बार खून अच्छी तरह से नहीं निकलने के कारण होता है। ऐसी स्थिति में अदरक और काली मिर्च का इस्तेमाल करें। इसके लिए 2 से 3 ग्राम अदरक, 4 काली मिर्च और एक बड़ी इलायची पीसकर पानी में उबाल लें। अब इसे गुनगुना होने पर पियें। पेट दर्द से राहत मिलेगी।

मुंह की दुर्गंध दूर करे

कई लोगों के मुंह से दुर्गंध आने की समस्या होती है जिसके कारण उन्हें दूसरों के सामने हंसी का पात्र बनना पड़ता है। मुंह की दुर्गंध दूर करने के लिए सुबह-सुबह अदरक और कालीमिर्च को पानी में उबालें और उससे कुल्ला कर लें। इससे मुंह की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।

सैडंल खरीदने सें पहले रखे इन बातों का ध्यान

अपने लिए सही सैंडल खरीदना भी आसान काम नहीं है क्यूंकि अगर आप अपने लिए सही हील नहीं चुनते तो आपकी सेहत पर इसके कई साइड इफेक्ट भी होते हैं। आपने इतनी पैसे भी लगाए और सैंडल पहना भी नहीं। सही सैंडल आपके अच्छे काम आती है जैसे इससे आपका आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है । साथ ही साथ आपके पैर सुंदर दिखते हैं । अगली बार आपको सैंडल खरीदने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

अपने पैर का नाप लें - आपको अपने पैर का नाप लेते रहना चाहिए क्यूंकि उम्र के साथ पैर के नाप में भी अंतर आता है और उम्र के साथ नाप कम भी हो जाता है।

आराम सबसे ऊपर है- सैंडल पहन कर चलें और यह देखें कि आप उनमें कैसा महसूस कर रहे हैं। अगर आपको सैंडल पैरों में कसा हुआ आ रहा है तो यह बिल्कुल ना सोचें कि यह कुछ दिनों में फैल जाएगा क्यूंकि ज्यादातर सैंडल के साथ ऐसा नहीं होता।

सैंडल खरीदने दोपहर के समय जाएँ - दोपहर के समय आपका पैर सामान्य रूप से फैलता है और इसलिए आप अपने लिए सही पाएंगे और ऐसी सैंडल ले पाएंगे जो आपको फिट आ रही हो।

मैच कर लें - जब भी आप सैंडल खरीदती हैं तो आपको अपने दिमाग में अपने कपड़ों को रखना चाहिए और यह ध्यान रखिये कि वह सैंडल आपके कम से कम तीन कपड़ों के साथ फिट होना चाहिए।

हील कैप लगाएं- इससे आपको और आपके आस पास के लोगों को आपके हील की आवाज नहीं आएगी।

एक्सट्रा सपोर्ट का इस्तमाल- कभी कभी आप कुछ सैंडल के लिए एक्सट्रा सपोर्ट चाहते हैं ताकि आप आराम महसूस करें। इसके लिए आप आर्च सप्पोर्ट या इन्सोल ले सकते हैं जो काफी आरामदायक होता है और आप आसानी से पूरे दिन हील में घूम सकते हैं।

नई नवेली दुल्हन पहने ये साड़ियां

अगर आप शादी कर रही हैं तो इंडियन डिजाइनरों की खूबसूरत साड़ियों का कलेक्शन देखना ना भूलें। शादी की तैयारी के चक्कर में हम शादी की बाद की तैयारी करना भूल जाते हैं। शादी के पहले दिन अपने ससुराल में कौन सी साड़ी पहने इस बारे में कोई चिंता नहीं करते। दुल्हनों को यह भूलना नहीं चाहिये कि पहला इंप्रेशन आखिरी इंप्रेशन होता है। शादी के बाद घर पर आप ही सेंटर ऑफ अट्रेक्शन होती होंगी इसलिये जो भी साड़ी पहने वह सोंच समझ कर पहननी चाहिये। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हम आज आपको चार साड़ियों के बारे में बताने जा रहें हैं, जिन्हें दुल्हनों को शादी के कुछ दिनों के बाद तक पहना जाना चाहिये।

रेड और गोल्डन साड़ी - बहुत सारी दुल्हन ट्रेडिशनल रेड कलर को ही पहना पसंद करती हैं। रेड साड़ी पर गोल्डन डिजाइन का बॉर्डर और उसके साथ गोल्डन ब्लाउज आपके चार्म को और निखार सकता है। इसके साथ आप गहने और एक रेड बिंदी लगा सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट साड़ी - कई दुल्हन काफी हैवी साड़ी पहनती हैं, लेकिन आप कुछ अलग हट कर कर सकती हैं। जैसे फ्लोरल प्रिंट साड़ी में मॉडर्न दुल्हन। इसके साथ आप पर्ल नेकलेस और रामलीला इयररिंग पहन सकती हैं।

वाइब्रेंट नेक्स्ट डोर साड़ी - ढेर सारी कढ़ाई की हुई भारी साड़ी पहने के बजाये आप एक फैशनेबल साड़ी पहन सकती हैं। जिस पर अच्छी डिजाइन हो और जो आपको गर्ली लुक दे।

पीली साड़ी - येलो साड़ी कभी भी नयी दुल्हन के लिए पुरानी नहीं होती है। इसके साथ आप पर्ल का कमर बंद पहन सकती हैं, साथ ही रेड बिंदी और गोल्डन चू डियां भी पहन सकती हैं।

रेसिपी

स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स

सामग्री

2 कप मैदा, 1 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 कप बारीक कटे हुए आलू ,1 कप बारीक कटा हुआ फूलगोभी ,1 कप कद्दूकस किया हुआ गाजर , 4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार , 1 छोटा चम्मच गरम मसाला, पानी आवश्यकतानुसार , तलने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में मैदे में थोड़ा सा नमक, तेल और पानी डालकर गूंद लें। धीमी आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही इसमें प्याज और हरी मिर्च डालकर सुनहरा होने तक भून लें। अब इसमें आलू, फूलगोभी, गाजर, नमक मिलाएं और कड़छी से चलाते हुए फाई कर लें। जब सभी सब्जियां सॉफ्ट हो जाएं तब इसमें गरम मसाला मिलाएं और अच्छे से मिक्स कर आंच बंद कर दें। मिश्रण को एक बर्तन में निकाल लें और ठंडा होने के लिए रख दें। इसी बीच गूंदे हुए मैदे की लोइयां तोड़कर इसकी रोटियां बेल लें। मिश्रण के ठंडे होते ही इसे रोटियों के बीचों बीच रखकर इनके बॉल्स बनाएं और एक कटोरी में रखते जाएं। ध्यान रहे कि कटोरी को हल्का चिकना जरूर कर लें। अब मीडियम आंच में एक कड़ाही में 1 से 2 कप पानी गर्म करने के लिए रखें। पानी के गर्म होते ही आंच धीमी कर दें और बॉल्स वाली कटोरी को कड़ाही में रखकर इसे 5 मिनट के लिए ढक दें। तय समय के बाद स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स तैयार मिलेंगे। स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स को सर्विंग प्लेट में निकालें और टोमैटो गार्लिक चटनी के साथ सर्व करें।

गुड़ पोहा

सामग्री

1 कप पोहा, 1 छोटी कटोरी गुड़ , 2 चम्मच कद्दूकस किया हुआ नारियल , एक चौथाई चम्मच इलायची पाउडर , 1 बड़ा चम्मच घी, पानी आवश्यकतानुसार

सजावट के लिए, 4-5 बारीक कटे हुए काजू

विधि

सबसे पहले पोहे को अच्छे से धोकर इससे पूरी तरह से पानी निचोड़ लें। धीमी आंच में एक पैन में पानी और गुड़ डालकर उबालें। जब गुड़ की गाढ़ी चाशनी तैयार हो जाए तब इसमें इलायची पाउडर, पोहा और कद्दूकस किया हुआ नारियल मिलाकर कड़छी से चलाते हुए अच्छे से मिक्स कर लें और आंच बंद कर दें। अब एक दूसरे पैन में घी गर्म करने के लिए रखें। घी के गर्म होते ही इसमें काजू डालकर इसे हल्का सुनहरा होने तक फाई कर लें और आंच बंद कर दें। तैयार गुड़ पोहे को काजू से गार्निश कर सर्व करें।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**